tni आवाज़

राजस्थान की राजनीति

E-mail: tniawaz.news@gmail.com

आपकी आवाज के साथ....

RAJHIN/2012/43137

HP NEWS हिन्दुस्तान की आवाज

हिन्दुस्तान पत्रिका HINDUSTAN KI AWAZ

जयपुर, दौसा, करौली, अलवर, टोंक, अजमेर, भरतपुर, धौलपुर, बीकानेर, कोटा, सवाईमाधोपुर से प्रसारित

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, रविवार 28 अप्रैल, 2024 | » वर्ष: 2 | » अंक: 183 | » पृष्ठ: 8 | » मूल्य: 2.00 रू.

लॉरेंस का गुर्गा रोहित गोदारा धड़ाधड़ दे रहा धमकी! कारोबारियों के बाद अब बीजेपी नेता निशाने पर

जयपुर

कुख्यात गैंगस्टर की ओर से अब तक बड़े कारोबारियों से रंगदारी के रूप में लाखों करोड़ों रुपए मांगे जाने के मामले सामने आते रहे हैं लेकिन अब भाजपा के एक वरिष्ठ नेता से भी 5 करोड़ रुपए मांगे जाने का मामला सामने आया है। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने जयपुर के शिवदासपुरा थाने में गैंगस्टर रोहित गोदारा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। नेता का कहना है कि उनके पास इंटरनेशनल वॉट्सएप नंबर से कॉल आया। कॉलर ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का साथी रोहित गोदारा बताते हुए 5-7 दिन में 5 करोड़ रुपए का इंतजाम करने की बात कही है। रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी है। मुकदमा दर्ज कराने वाले बीजेपी का नेता का कहना है कि दो दिन पहले गुरुवार दोपहर डेढ़ बजे उनके पास कॉल आया था। कॉलर ने कहा कि मैं जानता हूं कि तू कितना बड़ा बिजनेसमैन है। अगर 7 दिन में 5 करोड़ रुपए नहीं दिए तो तू चाहे कहीं भी जाकर छुप जाना। तुझे हमारे से कोई नहीं बचा सकता। धमकी देने वाले गैंगस्टर रोहित गोदारा ने यह भी कहा कि उसकी कॉल रिकॉर्डिंग करके पुलिस को भी सुना देना। पुलिस भी तेरी सुरक्षा नहीं कर पाएगी। शिवदासपुरा थाने में मुकदमा दर्ज कराने के बाद जयपुर कमिश्नरेट की साइबर सेल कॉलर का पता लगाने में जुटी है। रोहित गोदारा के नाम से पिछले दिनों जयपुर के एक बिजनेसमैन से 37 लाख रुपए मांगे गए थे। पीड़ित व्यापारी ने वैशाली नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। व्यापारी को तीन चार बार धमकी मिलने के बाद दलीप नाम के एक बदमाश व्यापारी के ऑफिस भी पहुंचा था। वैशाली नगर पुलिस ने दलीप को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया और उसके नेटवर्क का पता लगा रही है। अजमेर जेल में बंद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के हत्यारे रोहित राठौड़ ने भी व्यापारी को कॉल करके धमकी दी थी।

बालोतरा एसपी ऑफिस के बाहर 4 घंटे बैठे रहे भाटी, 2 दौर की वार्ता के बाद खत्म हुआ धरना

बाड़मेर

राजस्थान में 26 अप्रैल को मतदान का दूसरा चरण संपन्न हुआ। इसके बाद सियासत अभी भी गर्म हैं। बालोतरा में निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी ने शनिवार को चार घंटे तक एसपी ऑफिस के बाहर धरना दिया। इस दौरान पुलिस प्रशासन में हड़कंप गया। धरना स्थल पर रविंद्र सिंह भाटी के साथ काफी संख्या में समर्थक मौजूद थे। भाटी ने यह धरना अपने समर्थकों के साथ मारपीट करने और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए दिया। इस दौरान रविंद्र सिंह भाटी को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी देने का मामला भी सामने आया। यह धमकी रोहित गोदारा कपूरीसर नाम की आईडी से दी गई है। इधर, 4 घंटे की मशक्कत के बाद विधायक भाटी की बालोतरा एसपी के साथ दो चरण में वार्ता हुई। इसके बाद भाटी ने अपना धरना समाप्त किया

समर्थकों के साथ भाटी धरने पर बैठे

26 अप्रैल को बाड़मेर जैसलमेर लोकसभा सीट पर मतदान संपन्न हुए। इस दौरान कई मतदान केंद्र पर बवाल देखने को मिला। इधर, इस मामले में रविंद्र सिंह भाटी अपने समर्थकों के साथ मतदान केंद्र पर मारपीट होने की घटना से आक्रोशित नजर आए। इसको लेकर शनिवार को उन्होंने बालोतरा के एसपी ऑफिस के बाहर धरना शुरू कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन का जाब्ता बड़ी संख्या में मौके पर तैनात हो गया। इधर, एसपी ने विधायक को वार्ता के लिए अंदर बुलाया।

भाटी ने अपनी शिकायत में क्या लगाया आरोप

इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि मैंने कई जगह मतदान में व्यवधान पैदा करने वाली घटनाओं के बारे में कंट्रोल रूम को बूथ नंबर और लोकेशन के साथ सभी चीजे उपलब्ध कराई, लेकिन 3 घंटे तक पुलिस वहां नहीं पहुंची। जिसके कारण कई घटनाएं हुई, कई प्रवासी वोटर्स बाहर आ रहे थे, उनकी गाड़ी को रुकवाया गया और उनके साथ गलत व्यवहार किया गया। इसके अलावा बायतू में कई युवाओं के साथ मारपीट की गई। भाटी ने आरोप लगाया कि बायतु में सबसे ज्यादा संवेदनशील बूथ है। इसको लेकर मैंने प्रशासन को लिस्ट दी थी। इसके बावजूद वहां फोर्स लगने की बजाय शिव और जैसलमेर में फोर्स लगा दी गई। संवेदनशील मतदान केंद्र पर पोलिंग कम करने का प्रयास किया गया। 100 से अधिक मतदान केंद्र पर फर्जी पोलिंग और बूथ कैप्चरिंग के प्रयास हुए।

भाटी ने एसपी को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की

बालोतरा एसपी के साथ वार्ता के दौरान रविंद्र सिंह भाटी अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। जिसके कारण पहले दौर की वार्ता विफल रही। इसके बाद वापस भाटी के साथ वार्ता शुरू हुई। जिसमें उन्होंने अपने समर्थकों के साथ मतदान केंद्र पर मारपीट करने पुलिस प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाया। इसके बाद एसपी ने समझाइश कर उन्हें मामले की शिकायत देने के लिए कहा। उसके बाद भाटी ने अपनी शिकायतों को लेकर रिपोर्ट दी है। इस पर एसपी ने कहा कि उनकी रिपोर्ट को लेकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर लगाए गए आरोप को निराधार बताया। एसपी ने कहा कि पुलिस ने निष्पक्षता के साथ काम किया है। बालोतरा एसपी कार्यालय के बाहर रविंद्र सिंह भाटी के समर्थकों के साथ धरना देने के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया। इस दौरान एसपी ने भाटी को वार्ता के लिए अपने ऑफिस में बुलवाया। जहां उन्हें 2:45 बजे एसपी के साथ भाटी की वार्ता शुरू हुई, लेकिन रविंद्र सिंह भाटी अपनी मांगों को लेकर अड़े रहें।इस वार्ता में कोई नतीजा नहीं निकला। बाद में दूसरे दौर की वार्ता में जाकर रविंद्र सिंह भाटी धरना समाप्त करने के लिए राजी हुई।

पुलिस चाहे हमें गिरफ्तार कर ले- रविंद्र सिंह भाटी

रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि "हमारे समर्थकों की गाड़ियां जब्त की गई हैं। हमारे मतदाताओं के साथ हुई मारपीट की घटना पर भी कोई कदम नहीं उठाया गया। पुलिस और प्रशासन दबाव के तहत कार्य कर रह रहा था। आज मैं पुलिस और प्रशासन से कल की घटना का जवाब मांगने आया हूं। जब तक कोई जवाब नहीं मिलेगा, तब तक हम एसपी कार्यालय के सामने से नहीं हटेंगे, चाहे पुलिस हमें गिरफ्तार कर ले। इस दौरान एसपी कार्यालय के सामने बड़ी संख्या में समर्थकों के धरने के कारण सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए।

ईडी के हलफनामे पर केजरीवाल का जवाब, एजेंसी पर लगाए मनमानी के आरोप

नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में प्रवर्तन निदेशालय के हलफनामे का जवाब दिया। इसके साथ ही उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा और आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले उन्हें जिस तरीके से गिरफ्तार किया गया, वह तरीका ईडी की मनमानी के बारे में बहुत कुछ बताता है। शीर्ष अदालत में जवाब देते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बात का कोई सबूत मौजूद नहीं है कि आम आदमी पार्टी ने दक्षिण के किसी समूह से फंड या रिश्वत ली हो। उन्होंने आगे कहा कि गोवा के चुनाव अभियान में इस धन का उपयोग करना दूर की बात है। अरविंद केजरीवाल ने अपने हलफनामे में लिखा है कि आम आदमी पार्टी के पास एक भी रुपया नहीं आया और उन पर बिना किसी ठोस सबूत के आरोप लगाए गए हैं। दिल्ली के सीएम ने कहा कि उन पर लगाए गए आरोप आधारहीन हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें एक अप्रैल से न्यायिक हिरासत में लिया गया। बीते दिनों कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत सात मई तक बढ़ा दी थी। केजरीवाल की ही पार्टी के मनीष सिसोदिया भी दिल्ली शराब घोटाला केस में करीब डेढ़ साल से तिहाड़ जेल में बंद हैं। इसके अलावा तेलंगाना के पूर्व सीएम केसीआर की बेटी के. कविता भी इस मामले में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

रविंद्र भाटी को सपोर्ट करने पर मिली सजा! पूर्व एमएलए अमीन खान कांग्रेस से 6 साल के लिए निष्कासित

बाड़मेर

राजस्थान में लोकसभा चुनावों के दोनों चरणों का मतदान खत्म हो गया है और इसके बाद सांगठनिक तौर पर राजनीतिक दल एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं. इसी कड़ी में शुक्रवार को वोटिंग होने के बाद राजस्थान कांग्रेस एक्शन मोड में दिखाई दी जहां चुनाव प्रचार में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले नेताओं पर गाज गिरी. इस कड़ी में पश्चिमी राजस्थान के कांग्रेस के बड़े नेता, पूर्व विधायक और मंत्री अमीन खान को पार्टी 6 साल के लिए निष्कासित करने का आदेश जारी किया. इसके अलावा कांग्रेस ने जालौर के कांग्रेस नेता बालेंदु सिंह शेखावत को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है. बालेंदु प्रदेश कांग्रेस के पूर्व सचिव रहे हैं और सचिन पायलट के करीबी माने जाते हैं. बताया जा रहा है कि विधायक अमीन खान पर चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल का विरोध करने और निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी के पक्ष में बयान देने के आरोप लगे हैं. वहीं बालेन्दु शेखावत पर आरोप है कि वे जालोर-सिरोही में पार्टी के खिलाफ काम कर रहे थे. मालूम हो कि जालोर-सिरोही से अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत चुनावी मैदान में थे.

दूदू कलेक्टर के घर एसीबी की छापेमारी: भू-रूपांतरण के लिए मांगी 25 लाख की घूस, डाक बंगले पर मंगाए थे 7.5 लाख कैश

जयपुर

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज के यहां शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे छापेमारी की। आरोप है कि भू-रूपांतरण के बदले 25 लाख रुपए घूस मांगी गई थी। सर्च की कार्रवाई देर रात तक चली। एसीबी के डीआईजी डॉ. रवि का कहना है कि पीड़ित ने शिकायत दी कि दूदू में उनकी फर्म के नाम से 204 बीघा जमीन है। इसके कुछ खसरे तालाब-पाल क्षेत्र में होने के कारण कन्वर्जन करवाए जाने की शिकायत कलेक्टर के पास की गई थी। उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के बदले दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका और पटवारी हंसराज ने 25 लाख रुपए मांगे थे। पैसे के ?लिए उन्हें परेशान किया जा रहा था। हालांकि पीड़ित ने पैसा नहीं होने का हवाला दिया तो 15 लाख रुपए देने के बदले कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन दिया गया था। एसीबी अधिकारियों का कहना है कि सत्यापन के दौरान पीड़ित के साथ रिकॉर्डर भी भेजा गया था। इसमें साफ है कि दूदू कलेक्टटर हनुमान मल ढाका ने रिश्वत के करीब साढ़े सात लाख रुपए डाक बंगला स्थित अपने आवास पर मंगाए थे। पीसी एक्ट के तहत कलेक्टर और पटवारी के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज कर छापेमारी की गई है। एसीबी ने कलेक्टर के डाक बंगला स्थित आवास और तहसील कार्यालय दूदू में भी तलाशी ली। गौरतलब है कि हनुमान मल ढाका राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी थे। पिछले साल ही आईएएस सेवा में पदोन्नत हुए हैं।

कलेक्टर ने 15 अप्रैल को पैसे मांगे

एसीबी के सूत्रों का कहना है कि 15 लाख रुपए में रिश्वत का सौदा होने के बाद कलेक्टर और पटवारी ने पीड़ित से 15 अप्रैल की शाम को पैसे डाक बंगले पर मंगाए थे। पीड़ित के पास पैसे की व्यवस्था नहीं हुई। इस पर उसने 4-5 दिन का समय मांग लिया था। फिर एसीबी में शिकायत की। पुख्ता सबूत होने के कारण एसीबी ने शुक्रवार को केस दर्ज कर लिया। हनुमान मल ढाका नागौर, अजमेर, भरतपुर और झुंझुनूं में एसडीएम रह चुके हैं। 15 फरवरी से दूदू कलेक्टर लगे हुए हैं। यहां से पहले खैरथल तिजारा लगाया था, लेकिन तुरंत ही वापस हटा दिया गया था।

सुनीता केजरीवाल ने किया रोड शो, बोलीं- इस देश को बचा लीजिए, तानाशाही के खिलाफ वोट करें

नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव को लेकर राजनेता प्रचार के लिए मैदान में उतरे हुए हैं। दिल्ली में भी प्रचार जोरों पर है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पूर्वी दिल्ली में मेगा रोड शो निकाला। जिसके बाद उनकी राजनीति में एंट्री हो गई है। यह उनका पहला रोड शो है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने पूर्वी दिल्ली से आप के लोकसभा उम्मीदवार कुलदीप कुमार के समर्थन में कोंडली इलाके में रोड शो किया। मिली जानकारी के मुताबिक, कोंडली इलाके में रोड शो से पहले आई लव केजरीवाल और जेल का जवाब वोट से के पोस्टर लगाए गए हैं। सुनीता केजरीवाल ने रोड शो के दौरान कहा कि ये देश तानाशाही की ओर जा रहा है। इस देश को बचा लीजिए। 25 मई को वोटिंग का दिन है। आप लोग वोट देने जाएंगे। उस दिन तानाशाही के खिलाफ वोट दें। जय हिंद.. उन्होंने जेल का जवाब वोट से का नारा भी लगाया। मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में बताया कि वे पहली बार आप के चुनावी कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही हैं। अभी तक ऐसे कार्यक्रम के प्रमुख मुख्यमंत्री केजरीवाल हुआ करते थे। उनके जेल जाने के बाद इस कमी को दूर करने के लिए सुनीता चुनावी मैदान में हैं। रविवार को पश्चिमी दिल्ली में जनता से केजरीवाल के लिए समर्थन मांगेगी। वे दिल्ली के अलावा पंजाब, गुजरात और हरियाणा में भी आप प्रत्याशियों के लिए प्रचार करेंगी। मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के बाद से दिल्ली में भाजपा के लिए अलग माहौल बन गया है। लोग पूछ रहे हैं कि मुख्यमंत्री को क्यों गिरफ्तार किया गया। हर कोई इस गिरफ्तारी के खिलाफ है। दिल्ली-पंजाब की जनता केजरीवाल के साथ खड़ी है। आतिशी ने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद केंद्र सरकार ने ईडी की मदद से मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया। भाजपा ने चुनाव में हार के डर के कारण ये कार्रवाई की। भाजपा नहीं चाहती थी कि केजरीवाल चुनावी मैदान में उतरें, लेकिन मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के बाद भाजपा को नुकसान हुआ है। दिल्ली-पंजाब के साथ दूसरे हिस्सों में जनता मुख्यमंत्री के समर्थन में आई है। रोड शो के दौरान सुनीता के साथ स्थानीय विधायक भी प्रचार करेंगे। रोड शो जिस विधानसभा क्षेत्र से निकलेगा, उसमें स्थानीय विधायक सहित अन्य नेता शामिल होंगे। रोड शो के माध्यम से पार्टी जनता के सामने अपनी बात रखेगी।

लोकसभा चुनाव में एनडीए 2-0 से आगे: पीएम मोदी

कोल्हापुर।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए सनातन का अपमान करने वालों को सम्मानित कर रहा है। उन्होंने कहा कि द्रमुक नेताओं ने सनातन को डेंगू और मलेरिया बताया था, लेकिन इंडी गठबंधन उन्हें महाराष्ट्र आमंत्रित करता है और सम्मानित करता है। बताते चलें, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के पुत्र और राज्य के मंत्री उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हुए इसे खत्म करने की बात कही थी। स्टालिन की पार्टी द्रमुक विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दो चरण के चुनाव संपन्न होने के साथ ही कांग्रेस और आइएनडीआइए गठबंधन दो सेल्फ गोल कर चुके हैं, और भाजपा एवं राजग दो गोल से आगे हो गए हैं। मोदी ने कहा कि कोल्हापुर महाराष्ट्र का फुटबाल हब भी है। यहां के युवाओं को फुटबाल प्रिय है। इसलिए मैं फुटबॉल की भाषा में कहूं तो दो चरण के चुनावों में कांग्रेस और आइएनडी आइए देशविरोधी एवं नफरत की राजनीति के दो सेल्फ गोल कर चुके हैं। अब तीसरे चरण में गोल दागने की जिम्मेदारी कोल्हापुर वासियों की है।

ओबीसी समाज लंबे समय से भाजपा का मतदाता

प्रधानमंत्री ने राम मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के मुद्दे पर भी कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि अयोध्या का अंसारी परिवार राम जन्मभूमि के विरोध में लंबे समय तक मुकदमा लड़ता रहा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद वह अंसारी भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए, लेकिन कांग्रेस के लोग राम मंदिर के ट्रस्टियों द्वारा घर जाकर निमंत्रण देने के बावजूद प्राण प्रतिष्ठा में नहीं आए। उन्होंने सवाल किया कि जो इस प्रकार भगवान राम को ठुकराएगा, उसका आप क्या करेंगे? महाराष्ट्र में ओबीसी समाज लंबे समय से भाजपा का मतदाता रहा है।

देशविरोधी एजेंडा एवं तुष्टीकरण की राजनीति शुरू

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले और दूसरे चरण में हुए एकतरफा मतदान से साफ है कि केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा-राजग की मजबूत सरकार बनने जा रही है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर हमला तेज करते हुए कहा कि यह चुनाव विकसित भारत के संकल्प का चुनाव है, लेकिन जैसे ही कांग्रेस एवं आइएनडीआइए को अहसास हुआ कि विकास के एजेंडे पर वह भाजपा और राजग की बराबरी नहीं कर सकते, उन्होंने अपनी रणनीति बदल दी और देशविरोधी एजेंडा एवं तुष्टीकरण की राजनीति शुरू कर दी। अब वह कश्मीर में अनुच्छेद 370 वापस लाने एवं सीएए खत्म करने की बात करने लगे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी में हिम्मत है कि मोदी द्वारा लिए गए इन निर्णयों को पलट सके। मोदी ने देश में अस्थिर सरकार की ओर इशारा करते हुए कहा कि आइएनडीआइए पांच साल में पांच प्रधानमंत्री बनाने के फार्मूले पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि पांच साल में पांच प्रधानमंत्री का सपना देखने वालों को यह देश कभी सहन करने वाला नहीं है। इसलिए ये लोग देश पर गुस्सा उतार रहे हैं।

दक्षिण भारत को तोड़कर अलग देश बनाने की मांग

कर्नाटक और तमिलनाडु में आइएनडीआइए के लोग दक्षिण भारत को तोड़कर अलग देश बनाने की मांग कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले दक्षिण भारत के कुछ नेताओं द्वारा कही गई इन बातों को महाराष्ट्र की भावनाओं से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा अपने राज्याभिषेक समारोह के अवसर पर की गई इस घोषणा को उद्धृत किया कि 'अहद तंजावर, तहद पेशावर, अवधा मुलुख आपला।' अर्थात तंजावुर से पेशावर तक पूरा देश अपना है। उन्होंने सवाल किया कि जिस धरती पर छत्रपति शिवाजी महाराज ने यह घोषणा की हो, क्या वहां के लोग आइएनडीआइए के मंसूबे को पूरा होने देंगे? बता दें कि यह वर्ष छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक का 350वां वर्ष भी है।

मुस्लिमों को ओबीसी कोटे में आरक्षण?

संभवत इसे ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने कर्नाटक सरकार द्वारा मुस्लिमों को ओबीसी कोटे में आरक्षण देने के फैसले का उल्लेख दोहराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने इस कर्नाटक माडल को पूरे देश में लागू करना चाहती है। उन्होंने कहा कि 2012 में आइएनडीआइए की सरकार ने यह कोशिश की थी। तब ये सफल नहीं हो पाए। इसलिए अब कांग्रेस संविधान बदल कर दलित-पिछड़ों का आरक्षण धर्म के नाम पर बांटना चाहती है। ओबीसी के आरक्षण पर ये डाका क्या कोई बर्दाश्त करेगा? बता दें कि देश में वंचितों को आरक्षण देने की शुरुआत देश स्वतंत्र होने से बहुत पहले कोल्हापुर से ही छत्रपति साहूजी महाराज ने की थी, जिनके वंशज आज कोल्हापुर से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं।

पवित्र मनन दीप का 39वां ध्यान साधना शिविर उत्तर प्रदेश में होगा आयोजित

राजस्थान की राजनीति

कोटकासिम (चेतराम सैनी)। पवित्र मनन दीप सत्संग सेवा संस्थान कोटकासिम द्वारा प्रयागराज उत्तर प्रदेश में 29 अप्रैल सोमवार से 39वें ध्यान साधना शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान गुरुदेव भास्कर भारद्वाज भक्तों को विशिष्ट ध्यान साधना कराएंगे। शिविर के दौरान मानसिक शांति कैसे प्राप्त हो, एकाग्रता क्या है और कैसे प्राप्त होती है, प्रभु भक्ति कैसे मिलती है और भक्ति किसे कहते हैं, जीवन में सफलता कैसे प्राप्त होती है, ध्यान से क्या-क्या फायदे होते हैं आदि अनेक विषय पर गुरुदेव भास्कर भारद्वाज ध्यान साधना कराएंगे और व्याख्यान देंगे। वहीं भास्कर भारद्वाज ने कहा ध्यान साधना शिविर से हमारा संपूर्ण जीवन बदलता है और हमें इस लोक के साथ परलोक की खुशी प्राप्त होती है।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में 150 बच्चो के लिए ड्यून डिस्क किये प्रदान

विद्यालय संस्था प्रधान ने भामाशाह का जताया आभार

राजस्थान की राजनीति

कोटकासिम (चेतराम सैनी)। शनिवार को आरएचआई मजेस्टिक भिवाड़ी द्वारा मेवली के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में बच्चों को बैठने के लिए ड्यूल डिस्क प्रदान की गई। हमारा शाला परिवार आरएचआई के मैनेजर एवं उनके केएसआर हेड अर्पणा कृपाल, ईश्वर सिंह को ग्रामवासियों ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संस्था प्रधान हेमकांत शर्मा ने बताया की कंपनी एवं भामाशाह को प्रोत्साहित करने वाले शारीरिक शिक्षक राजेंद्र कुमार सैनी के अथक प्रयास से विद्यालय में तीन कमरे एवं शौचालय का निर्माण के साथ-साथ बच्चों को स्कूल बैग, शूज और मोजे प्रदान किए गए। वही विद्यालय में 150 बच्चों के बैठने के लिए 75 ड्यूल टैक्स प्रदान की गई। इस अवसर पर समस्त ग्रामवासियो, स्टाफ एवं सभी विद्यार्थियो ले उनका धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैशाख के प्रथम पखवाडे की शुरूआत से गर्मी चढी परवाना

बादलो की आवाजाही के बावजूद रही तपन, पश्चिमी विक्षोभ का असर

राजस्थान की राजनीति

कोटकासिम (चेतराम सैनी)। वैशाख माह के प्रथम पखवाडे की शुरूआत से परवाना चढी गर्मी आक्रम रंग में आयी है। सुबह से सूर्यदेव ने रोद्र रूप दिखाया और दोपहर तक पूरा क्षेत्र तेज धूप के आगोश में आ गया। लोग धूप से बचाव करते नजर आये। शनिवार को तपती दोपहरी के बाद अपराह्न हालांकी असामान में बादलो की अवाजाही शुरू हुई। लेकिन गर्मी से जरा से भी राहत नही मिली और तापमापी पारा उछाल पर रहा। अधिकतम तापमान 41.4 और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सैल्सीयस दर्जकिया गया।

बादलो की आवाजाही के बावजूद रही तपन

अपराह्न 3 बजे बाद आसमान में बादलो ने सूर्यदेव की राह को रोका। लेकिन उसके बावजूद भी तपन बरकरार रही। गर्मी का तापमान चढा तो लोग दोपहर को घरो में दुबके तो बाजारो में सन्नाटा छाया रहा। गर्मीके कारण बार-बार सूखते कंठ लोग तर करते नजर आये। गन्ने की थडियो पर लोग गन्ने का रस पीने के लिए डटे रहे। वही फलो की दुकानो व ज्यूस का सेवन करते देखे गये।

दौसा में बिजली विभाग का सिस्टम हुआ फेल, जिला मुख्यालय के हाल ग्रामीण क्षेत्र जैसा

20 घंटे तक आधा दर्जन से अधिक कालोनियां में बिजली रही गुल, गर्मी से तड़पते रहे छोटे बच्चे और वृद्ध

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। जहां एक और भीषण गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ा रखे हैं तो वहीं बिजली विभाग कोड में खाज का काम कर रहा है। दौसा में शुक्रवार को हुई हल्की बारिश से उमस के बढ़ जाने के चलते लोगों का गर्मी से हाल बेहाल है। वहीं शुक्रवार को दोपहर 3:00 बजे से जयपुर रोड के करीब आधा दर्जन कॉलोनी शिव शक्ति नगर, कृष्णा नगर, मेसी कम्पनी के पीछे की कॉलोनी, हाजी कॉलोनी, परशुराम कालोनी में करीब 20 घंटे से अधिक समय से बिजली गुल है। जिसमें से लोगों के पसीने छुड़ा दिये है। वहीं कॉलोनी वासी बिजली विभाग को फोन पर फोन करते रहे तो अधिकतर जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालते हुए अपना पल्ला झाड़ने नजर आये। हद तो तब हो गई जब देर रात भर छोटे बच्चे बड़े बुजुर्ग गर्मी से बेहाल हो गए तो बार-बार फोन करने पर अधिकारियों ने अपने मोबाइल तक बंद कर लिये तो कईयो ने नहीं उठाना ही नहीं। ऐसे में लोगों में बिजली विभाग के प्रति रोष व्याप्त है। शिव शक्ति नगर कॉलोनी निवासी दीपक शर्मा का कहना है कि शुक्रवार दोपहर 3 बजे से गई बिजली शनिवार को 12 बजे तक भी बिजली नहीं आई। इतना ही नहीं जिम्मेदार अधिकारी को फोन करने के बावजूद भी कईयो ने फोन उठाएं नहीं तो क्यों नहीं एक दूसरे के जिम्मेदारी डालते हुए अभी आ जाएगी कहकर पल्ला झाड़ते रहे। 20 घंटे गुजर गये लेकिन बिजली की सप्लाई दुरुस्त नहीं हो पाई। जिसके चलते लोग गर्मी से बेहाल हो गए तो वहीं कई लोगों के व्यवसाय भी काफी प्रभावित रहा। वही कृष्णा नगर निवासी लीला शर्मा का कहना है कि एक तो इतनी भयंकर गर्मी ऊपर से बिजली विभाग की अघोषित कटौती और 20 घंटे से भी अधिक समय हो जाने के बावजूद भी बिजली दुरुस्त नहीं की गई जिसके चलते लोगों का हाल बेहाल हो गया ऐसे में लोग बिजली विभाग को कोसते नजर आए। लोगों का यह भी कहना है की जिम्मेदार अधिकारी ही गैरजिम्मेदरान होने के चलते आम जनता पीस रही है। सूत्रों का यह भी कहना है कि कुछ अधिकारी अप डाउन करते हैं जिसके चलते वह हेड क्वार्टर छोड़ने के बाद फोन रिसीव नहीं करते। ऐसे में जिला मुख्यालय के हाल ग्रामीण क्षेत्र से भी बत्तर गैर जिम्मेदाराना अधिकारियों ने कर रखे हैं।

8 साल का हिमांशु बना गांधीनगर थाने का सीआई

थैलेसीमिया से बीमार बच्चे की पुलिस अफसर बनने की थी इच्छा, वर्दी पहनकर हुआ खुश

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में 8 साल का लड़का हिमांशु सैनी 2 घंटे के लिए गांधीनगर थाने का सीआई बना। इस दौरान हिमांशु को पुलिस की वर्दी पहनाई गई और फिर सीआई की कुर्सी पर बैठाया गया और थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ उसकी मुलाकात कराई गई। हिमांशु ने थाने के पुलिसकर्मियों के साथ चाय पी और उनकी ड्यूटी और काम को लेकर कुछ सवाल पूछे। 2 घंटे सीआई की कुर्सी पर बैठने के बाद हिमांशु काफी खुश नजर आया।

गांधी नगर सीआई उदयभान यादव ने बताया कि हिमांशु सैनी (8) पुत्र राजू सैनी बांदीकुई का रहने वाला है। हिमांशु को थैलेसीमिया की बीमारी है, जिसके कारण उसे हर महीने जयपुर आना पड़ता है। हिमांशु के पिता ने 1 दिन पहले मुझे बताया कि हिमांशु पुलिस अधिकारी बनना चाहता है, लेकिन वह काफी बीमार रहता है। अगर उसे एक बार पुलिस की वर्दी पहनने और थाने में आने का मौका दिया जाए तो उसे बहुत अच्छा लगेगा।

सीआई ने बताया- बच्चे की इच्छा जानकार मैंने उसके पिता को शनिवार को हिमांशु को लाने के लिए कहा। इस पर आज शाम 4 बजे हिमांशु का परिवार उसको लेकर थाने लेकर पहुंचा। यहां पर उसे पुलिस की वर्दी पहनाई गई और फिर उसे मैंने अपनी कुर्सी पर बैठाया। हिमांशु सीआई की कुर्सी पर बैठकर बहुत खुश नजर आया। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने भी उसका मनोबल बढ़ाने का पूरा प्रयास किया।

पुलिस की वर्दी पहनकर खुश हुआ हिमांशु

हिमांशु के पिता राजू सैनी ने बताया- थाने में पहुंचकर पुलिस की वर्दी पहनना, पुलिसकर्मियों के बीच रहना और सीआई की कुर्सी पर बैठना हिमांशु के लिए सपना सच होने जैसा था। हिमांशु अपनी बीमारी के बारे में जानता है। वह कई बार पुलिस अधिकारी बनने की इच्छा जाहिर करता है। बच्चे की इच्छा पूरी करने के लिए बड़ी हिम्मत कर गांधीनगर थाने पहुंचा। यहां सीआई उदयभान को हिमांशु की बीमारी के बारे में बताया और उसकी पुलिस अधिकारी बनने की इच्छा के बारे में भी बताया।

हिमांशु की इच्छा पूरी करने के लिए उन्होंने तुरंत हां बोल दी और हिमांशु को आज थाने लाने के लिए कहा। आज हम हिमांशु को लेकर थाने पहुंचे तो उसके साथ पुलिस अधिकारी जैसा व्यवहार किया गया। पुलिसकर्मियों के बीच आकर, पुलिस की वर्दी पहनकर और सीआई की कुर्सी पर बैठकर हिमांशु काफी खुश नजर आया। उसकी खुशी देखते ही बन रही थी।

नकलगिरोह के 5 मास्टरमाइंड, 2 हजार रिश्तेदारों को दिलाई सरकारी

एसओजी की 3000 पन्नों की जांच रिपोर्ट में खुलासा; 500 आरोपी अभी और रडार पर

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान में 15 साल से जड़ें जमा चुके पेपर माफिया अब बेनकाब होने लगे हैं। प्रदेश में चार माह पहले गठित एंटी चीटिंग सेल बनी थी। अब तक 10 से ज्यादा भर्तियों में पेपर लीक की कड़ियां जोड़ते हुए एसओजी ने 97 लोगों को गिरफ्तार किया है। भास्कर ने एसओजी की 3000 पन्नों की जांच रिपोर्ट खंगाली तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। नकल गिरोह के 5 मास्टरमाइंड अपने 2000 से ज्यादा रिश्तेदार-परिचितों को सरकारी नौकरी लगवा चुके हैं। ये सभी फर्जी डिग्री, डमी कैंडिडेट और पेपर लीक से सरकारी नौकरी लगे। एसओजी 500 से ज्यादा लोगों के खिलाफ जल्द ही मामला दर्ज करेगी। एसओजी मुखिया वीके सिंह के पास एंटी चीटिंग सेल का जिम्मा है। सबसे पहले सब-इंस्पेक्टर भर्ती मामले में 33 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार किया था। इनसे हुई पूछताछ में ही गिरोह के 5 मास्टरमाइंड सामने आए थे। इनसे पूछताछ में ब्लूटूथ से नकल करवाने, पेपर लीक करने, डमी कैंडिडेट बिठाकर नकल करवाने जैसे 73 से अधिक मामले सामने आए। इसके बाद एसओजी ने हेल्पलाइन नंबर जारी किया तो कई क्लू मिले। एसओजी के एएसपी रामसिंह शेखावत व उनकी टीम ने जब कड़ियों को जोड़ना शुरू किया तो महज 25 दिन में मास्टर माइंड जगदीश ज्याणी, श्रवण बाबल, पंकज चौधरी उर्फ भांभू, हर्षवर्धन मीणा, राजेन्द्र कुमार यादव के सारे गिरोह का खुलासा हो गया। जांच में सामने आया है कि इन सभी नौकरीखोर चीटरों ने करीब 120 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्तियां बना रखी हैं।

श्रवण ने 60 से अधिक, पंकज ने 250 रिश्तेदारों को नौकरी पर लगवाया...

मादक पदार्थों का बड़ा तस्कर होने के साथ जमीनों पर कब्जा करता था। बाद में पेपर लीक गैंग से जुड़कर लीक पेपर को बेच कर करोड़ों रुपए कमाए। जोधपुर कमिश्नरेट के हार्डकोर बदमाशों में उसका नाम है। 2015 में इसने पेपर लीक गैंग का नेटवर्क पूरे प्रदेश में खड़ा किया। एसओजी में गिरफ्तार होने के बाद इसकी संपत्तियों को खंगाला तो पता चला कि 10 साल में ही जोधपुर में 22 करोड़ रुपए की संपत्तियां बना लीं। पूछताछ में 60 से अधिक परिचित व रिश्तेदारों की नौकरी पर लगाने की बात कबूली।

वनपाल बना, अभी फरार है

पंकज चौधरी उर्फ यूनिक भांभू निवासी चूरू, वनपाल परीक्षा के लीक पेपर से वनपाल बना। अभी फरार है। विदेश में बताया जा रहा है। पत्नी द्वितीय श्रेणी अध्यापक, साला नरेंद्र व उसकी पत्नी वनपाल है। मौसी को आंगनबाड़ी में महिला सुपरवाइजर व उसके दोनों बच्चों और चाचा मनीराम व उनके दोनों बेटों को नौकरी लगवा दी। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ में पता चला कि पंकज 250 से अधिक परिचित व रिश्तेदारों की नौकरी लगवा चुका है।

पत्नी, साला, साले की पत्नी, चाचा के बेटे नौकरी में

यूनिक ने पेपर लीक से झुंझुनूं निवासी बुओ के बेटों नवीन को बिजली विभाग में तकनीकी सहायक और अनिल को थर्डग्रेड टीचर बनाया

विवेक भांभू निवासी पूनियां कॉलोनी चूरू ने एसआई भर्ती परीक्षा 2021 में रैंक 24वीं प्राप्त की। उसकी पत्नी सुदेश द्वितीय श्रेणी अध्यापक

एकता राहड़ निवासी पूनियां कॉलोनी चूरू की एसआई परीक्षा में 123वीं रैंक, रोहिताश खीचड़ की एसआई परीक्षा-2021 में 385वीं रैंक

राकेश भांभू निवासी चूरू की एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में 2021वीं रैंक सुरेंद्र खराड़िया पटवारी, उनकी बहन व पत्नी महिला सुपरवाइजर, निवासी चूरू

गोपीराम के बेटे विजेंद्र को जेईएन और नितेश को लैब असिस्टेंट बनाया, निवासी चूरू

एडिशनल एसपी ओमप्रकाश गोदारा के बेटे करणपाल गोदारा की एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में 22वीं रैंक, गिरफ्तार अजमेर के रवि भारी को पटवारी बनवाया

पंकज के साथी रमेश कालेर ने पत्नी व भांजी को आंगनबाड़ी में महिला सुपरवाइजर बनाया, कालेर गिरफ्तार है झुंझुनूं के सत्यवीर सिंह को वनपाल बनाया

लोकसभा चुनाव काबुल में हुआ शांतिपूर्ण संपन्न

राजस्थान की राजनीति

बून्दी/पुरुषोत्तम। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय काबुल में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। बीएलओ हरिराम मीणा ने बताया की मेने एक महिने से जागरूकता अभियान चलाया पर जनता मत का मूल्य नहीं समझती इसलिए मतदान प्रतिशत 51व ही हुआ।सुबह 7 बजे से मतदाता धीरे धीरे आते रहे ओर शांतिपूर्ण मतदान किया।

बीएलओ हरिराम मीणा ने बताया की मतदाता बूथ की सजावट को लेकर खुश नजर आये।बूथ पर वे सभी गतिविधियां नजर आ रही थी की एक मांडल बूथ घोषित हो पर प्रशासन का कोई ध्यान बूथ पर नहीं गया इस बात को लेकर बीएलओ बहुत दुखी रहा ओर कहा की मे लगातार एक महिने से बूथ को चमकाने व मतदाता जागरूकता में मेने कोई कसर नहीं छोड़ी पर विडम्बना यह हे कि मेरी निष्ठा मेहनत ईमानदारी पर शायद प्रशासन खुश नहीं हैं।सभी मतदाताओं को लोकतंत्र में मतदान का क्या महत्व हैं सभी स्लोगन दिखाये गये। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मधु शर्मा, सहायिका सुखी बाई, सहयोगिनी चन्द्रकला, जसोदा, व पुलिस प्रशासन के कार्मिक श्री नरेंश जी का अच्छा सहयोग रहा।

भारतीय डाक विभाग में दो दिवसीय अल्प बचत मेला का आयोजन कल से

राजस्थान की राजनीति

दौसा (विष्णु आशीर्वाद)। भारतीय डाक विभाग में दो दिवसीय अल्प बचत मेला का आयोजन किया जा रहा है जिसमें विशेष अभियान चलाकर डाक विभाग की सभी योजनाओं के खाते खोले जाएंगे। जयपुर देहात मण्डल के डाक अधीक्षक जी डी गुप्ता ने बताया की 29 व 30 अप्रेल को दौसा, बांदीकुई, लालसोट, सिकराय, महुवा के अन्तर्गत आने वाले के सभी शाखा डाकघरों व उप डाकघरो में विशेष अभियान चलाकर सुकन्या समृद्धि योजना,बचत जमा खाता, आवर्ती जमा खाता, किसान विकास पत्र, पीपीएफ बचत जमा खाता, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, मनरेगा खाता योजना, गैस सब्सिडी योजना खाता, डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा, आधार कार्ड पंजीकरण/अपडेशन आदि सेवाएं प्रदान कि जाएगी। इसके लिए सभी डाकघरों में विशेष शिविर लगाकर डाक विभाग की सभी योजनाओं के खाते खोले जाएंगे। डाक अधीक्षक जी डी गुप्ता ने सभी जनता जनार्दन से अपील की है 29 व 30 अप्रेल को नजदीकी ही डाकघर में जाकर भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को लाभ ले।

नशे के लिए कर दी अनजान युवक की हत्या

पुलिस से बचने के लिए बदल लिया था हुलिया, 500 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पकड़ा

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर के विधायकपुरी इलाके में आकाशवाणी के सामने खाली प्लॉट में शव मिलने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है और शनिवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने नशे के पैसों के लिए युवक की हत्या की थी। आरोपी नशे का आदी है और जयपुर में ट्रांसपोर्ट नगर, नारायण सिंह सर्किल, सिंधी कैंप के आसपास खानाबदोश का जीवन जीता है। आरोपी ने हत्या के बाद पकड़ने जाने के डर से अपना हुलिया बदल लिया था। बदमाश ने अपने लंबे बाल और दाढ़ी को कटवा कर क्लीन शेव हो गया था। डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने बताया कि 17 अप्रैल को विधायकपुरी इलाके में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। मौके के हालात देखकर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। मृतक की पहचान सुरेश कुमार गुर्जर निवासी सवाई माधोपुर के रूप में हुई। पुलिस ने घटना के बाद करीब 500 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसके बाद पुलिस ने आरोपी और मृतक का रूट चार्ट बनाकर संभावित रास्तों पर लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी तक पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी कृपाल सिंह गुर्जर उर्फ शिवा (26) पुत्र रमेशचन्द गुर्जर निवासी गांव लादिया नीचला पोस्ट, थाना रैणी जिला अलवर को गिरफ्तार किया, जो ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया, नारायण सिंह सर्किल और टोंक फाटक पर सड़कों पर रहता है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह नशे के लिए सिंधी कैंप की तरफ गया था, जहां उसे मृतक सुरेश कुमार गुर्जर मिला। उसने सुरेश से नशे के लिए रुपए मांगे, लेकिन सुरेश ने मना कर दिया। इस पर उसे गुस्सा आया और उसकी हत्या का प्लान बनाया। वह सुरेश को सिंधी कैंप से अपने साथ आकाशवाणी के पास ले गया और उसी के गमछे से गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद उसके जूते और अन्य सामान लेकर फरार हो गया। पुलिस के डर से उसने अपना हुलिया बदल लिया, लेकिन पुलिस ने उसे ट्रैक कर लिया।

पुलिस से उलझने पर बीजेपी से निष्कासित उस्मान गनी गिरफ्तार

बीकानेर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बयान देने वाले भाजपा के बीकानेर शहर अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष उस्मान गनी को बुधवार को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। अब गनी को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है। बीकानेर शहर के मुक्ताप्रसाद थानाधिकारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि उस्मान गनी किसी मामले की शिकायत को लेकर आज सुबह थाने आया था। इस दौरान वह पुलिसकर्मियों से उलझ गया। समझाने पर भी नहीं मानने पर झगड़ा करने लगा। इस पर पुलिस ने शांति भंग में गिरफ्तार किया है। आपको बता दे कि गनी ने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा था कि भाजपा नरेंद्र मोदी की अकेले की पार्टी नहीं है। राजस्थान में भाजपा 25 में से तीन-चार सीट हार रही है। गनी ने यहां तक कहा कि भले ही मोदी प्रधानमंत्री हैं और पार्टी का सबसे बड़ा फेस हैं, मुझे उनका स्टेटमेंट अच्छा नहीं लगा। मोदी को वाहियात बात नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस ने गनी के इस बयान को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। इसके बाद पार्टी हरकत में आई।

रेप का आरोपी हेड कांस्टेबल नौकरी से बर्खास्त, एसपी ने जारी किए आदेश

अजमेर

महिला से शादी का झांसा देकर रेप के मामले में सजा के बाद अजमेर पुलिस ने आरोपी हेड कॉन्स्टेबल को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। मामले में जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र बिश्नोई के द्वारा शनिवार को आदेश जारी किए गए हैं। हेड कॉन्स्टेबल वर्तमान में जेल में बंद है। एसपी देवेंद्र बिश्नोई ने बताया कि ब्यावर निवासी हेड कॉन्स्टेबल गोविंद राम पुत्र देवाराम को कोर्ट के द्वारा सजा सुनाई गई थी। इसके बाद उन्होंने शनिवार को आदेश जारी करते हुए आरोपी को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। वह पुलिस लाइन में तैनात था। 4 दिन पूर्व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या दो ब्यावर द्वारा आरोपी हेड कॉन्स्टेबल गोविंदराम पुत्र देवाराम को 10 साल की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही 50 हजार का आर्थिक दंड भी लगाया था। मामले में बिजयनगर थाना क्षेत्र की एक महिला ने हेड कॉन्स्टेबल पर शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया था। आरोपी कॉन्स्टेबल ने महिला के घर में हुई चोरी के मामले में जांच के बहाने घर आकर नजदीकियां बढ़ाई थी बाद में उसे शादी का झांसा देकर रेप किया था।

प्रेमिका से मिलने गए युवक को पेड़ से बांधकर पीटा

जोधपुर

प्रेमिका से मिलने गांव गए प्रेमी को बंधक बनाकर पिटाई करने का मामला सामने आया है। युवक का प्रेमिका से दो साल से अफेयर चल रहा था। प्रेमिका के बुलावे पर युवक गया तो ग्रामीण पहले से उसे मारने की धाक में बैठे थे। युवक ने किसी तरह खुद को छुड़ाया और घर पहुंचा। युवक की मां ने थाने में मामला दर्ज करवाया है। थाने में दी रिपोर्ट में महिला ने बताया कि उनके बेटे का पातों की बासनी में एक युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है। इसके चलते 24 अप्रैल को युवती ने उसके बेटे को फोन कर घर पर मिलने के लिए बुलाया। उसका बेटा जब युवती के घर पातों की बासनी गया तो आईदानराम, हिम्मत राम जाट, पदमाराम, पप्पूराम, भींयाराम आदि ने मिलकर उसके बेटे को जान से मारने की नीयत से पशु बाड़े में बंद कर दिया। उसके साथ मारपीट की। बाद में किसी तरह से उसका बेटा यहां से निकला। जिसे इलाज के लिए हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया।

बेकाबू कार पेड़ से टकराई, 3 युवकों की मौत, कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे

बांसवाड़ा

बांसवाड़ा जिले में नेशनल हाईवे 56 पर शुक्रवार देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ। इसमें कार बेकाबू होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में 3 युवकों की मौत हो गई। वहीं दो अन्य घायल हो गए। मृतकों के शव बागीदौरा सीएचसी में रखवाए गए हैं। हादसे में घायल हुए मोईन पुत्र निजामुद्दीन और रतलाम निवासी आयुष पांडे को बांसवाड़ा जिला अस्पताल से उदयपुर के लिए रेफर कर दिया गया है। हादसा बागीदौरा- कलिंजरा रोड पर हुआ। सूचना पर कलिंजरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को बागीदौरा सीएचसी की मॉर्च्युरी में शिफ्ट किया। मृतकों में बांसवाड़ा निवासी कुलदीप कंसारा, टांडी महुड़ी निवासी अजय मईडा और अब्दुल्ला पीर बांसवाड़ा निवासी शैयान पुत्र युसुफ की मौके पर ही मौत हो गई। एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने बताया- मौके पर लोगों से मिली जानकारी के अनुसार तीनों मृतक और घायल दोनों युवक बांसवाड़ा शहर स्थित एक फाइनेंस कंपनी में काम करते थे। वो कलिंजरा थाना क्षेत्र में किसी जगह कार्यक्रम में गए थे। हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि सभी हाईवे पर स्थित एक होटल में खाना खाने गए थे। रात को करीब 3 बजे वापस लौट रहे थे। तब यह हादसा हुआ। कार की स्पीड बहुत तेज थी इस कारण कंट्रोल नहीं हुआ। कार पहले एक पेड़ से टकराई, उसके बाद पलट कर दूसरे पेड़ से टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि पूरी कार क्षतिग्रस्त हो गई।

दौसा में पेयजल संकट, पानी की टंकी पर चढ़े लोग

दौसा

गर्मी की शुरुआत के साथ ही दौसा जिले में पेयजल किल्लत सामने आने लगी है। पानी की मांग को लेकर लोग विरोध प्रदर्शन पर उतर आए हैं। मंडावर उपखण्ड के सायपुर पाखर गांव में पानी की मांग को लेकर ग्रामीण शनिवार को पानी की टंकी पर चढ़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाया। ग्रामीण पानी की समस्या का समाधान करने की मांग पर अड़े रहे। विरोध प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने कहा- गांव में पिछले लंबे समय से पानी की समस्या बनी हुई है। इसके बारे में जलदाय विभाग के अधिकारियों को कई बार शिकायत करने की बावजूद समाधान नहीं हुआ। हालात इतने बदतर हो गए हैं कि महिलाओं को दूर दराज खेतों पर स्थित बोरवेल से पीने का पानी लेकर आना पड़ता है। जबकि पशुओं के लिए भी विकट समस्या बनी हुई है। पुलिस ने समझाकर मामला शांत कराया। जलदाय विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

पीएम की सभा से भी नहीं बढ़ा मतदान, 7 प्रतिशत घटा, पायलट की सीट पर हुई सबसे ज्यादा 61.04 प्रतिशत वोटिंग

टोंक

पहले चरण के लोकसभा चुनावों में कम हुई वोटिंग के बाद दूसरे चरण में राजनीतिक दलों, जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए पूरी ताकत झोंकी गई, लेकिन ज्यादा कारगर नहीं हुए। ये ही नहीं टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट पर आखिरी सभा पीएम नरेंद्र मोदी ने की, लेकिन उनकी सभा भी मतदान बढ़ाने में कारगर नहीं हुई। मोदी की सभा से भी इस सीट पर गत बार के लोकसभा चुनावों में हुए मतदान से आगे निकलना तो दूर की बात रही, बराबर भी नहीं कर पाई। तमाम प्रयासों के बावजूद इस सीट पर गत लोकसभा चुनावों के मुकाबले पौन 7 प्रतिशत मतदान कम हुआ। टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट पर सबसे ज्यादा मतदान पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की विधानसभा सीट टोंक में 61.04 प्रतिशत हुआ। वहीं सबसे कम मतदान निवाई विधानसभा में 52.98 प्रतिशत हुआ। ज्ञात रहे कि शुक्रवार को दूसरे चरण में टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट समेत 13 सीटों पर मतदान हुआ। दूसरे चरण में मतदान बढ़ाने के लिए प्रशासन से लेकर राजनीतिक दलों ने कड़ी मेहनत की। इसके बावजूद 5 साल पहले 2019 में हुए लोकसभा चुनावों से पीछे रह गए। जबकि टोंक जिले के उनियारा कस्बे में प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने भी बीजेपी प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनापुरिया के समर्थन में बड़ी सभा की थी। पीएम मोदी ने सभा में लोगों से कहा भी था कि आप एक काम करना, घर जाकर माताओं बहनों से कहना कि मोदी आया था, वोट जरूर डालना, आपका वोट सीधा मोदी को जाएगा। लेकिन इन तमाम कोशिशों के बावजूद 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में हुई वोटिंग के बराबर भी मतदान नहीं हुआ। अब लोग यह भी चर्चा मर रहे कि मतदान के दिन कई जगह अंधड़, बारिश होने से वोटिंग प्रभावित हुई है। शाम के समय मतदाता घरों से अपेक्षाकृत कम निकले। इसके चलते वोटिंग कम हुई।

पुरुषों का वोटिंग प्रतिशत ज्यादा रहा

इस लोकसभा में महिलाओं के मुकाबले पुरुषों का मतदान प्रतिशत साढ़े 4 प्रतिशत ज्यादा रहा है। पुरुषों का मतदान प्रतिशत 58.73 तो महिलाओं का मतदान प्रतिशत 54.22 प्रतिशत रहा है। इस सीट पर कुल मतदाता 21 लाख 48 हजार 128 है। इनमें से पुरुष मतदाता 11 लाख 21 हजार 949 और महिला मतदाता 10 लाख 26 हजार 165 है। इनके अलावा 14 मतदाता ट्रांसजेंडर है। इनमें से 7 ट्रांसजेंडर ने मतदान किया। वहीं 6 लाख 58 हजार 891 पुरुष और 5 लाख 56 हजार 397 महिलाओं ने मतदान किया है।

विधानसभा वार मतदान की स्थिति

सवाई माधोपुर जिले की गंगापुर विधानसभा में 55.88 प्रतिशत, बामनवास विधानसभा क्षेत्र में 53.03 प्रतिशत, सवाई माधोपुर विधानसभा में 55.74 प्रतिशत, खंडार विधानसभा में 59.01 प्रतिशत, टोंक जिले की मालपुरा विधानसभा में 55.08 प्रतिशत, निवाई विधानसभा में सबसे ज्यादा 61.04 प्रतिशत और देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में 59.69 प्रतिशत मतदान हुआ।

21 लाख 48 हजार से ज्यादा है मतदाता

टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा सीट पर करीब 21 लाख 48 हजार 149 मतदाता हैं। इनमे से 12 लाख 15 हजार 295 मतदाताओं ने वोट डाले है। जो कि 56.57 प्रतिशत है। जबकि 2019 में करीब पौने 7 प्रतिशत कम है।

दोस्त को घर छोड़ने गए युवक पर जानलेवा हमला, बदमाशों ने कनपटी पर पिस्तौल तानकर कहा-अल्ताफ को बुला

भिवाड़ी

दोस्त को घर छोड़ने गए एक व्यक्ति पर पिकअप गाड़ी में भरकर आए करीब 10 से 15 बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। साथ ही युवक की कनपटी पर पिस्तौल तानकर जान से मारने की धमकी दी। युवक किसी तरह अपने आप को बचाकर वहां पर स्थित एक रेजिडेंट सोसाइटी के पीछे जाकर दुबक गया। सूचना लगने पर युवक के पिता ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस जाकर युवक को सोसाइटी के पीछे से निकाल कर लेकर आई। इसको लेकर युवक के पिता ने भिवाड़ी थाने में मामला दर्ज करवाया है। भिवाड़ी के घटाल के रहने वाले बुट्टा सिंह पुत्र बन्तासिंह ने मामला दर्ज करवाया कि शुक्रवार को उसका बेटा बॉबी सुबह शादी मे जाने की बोलकर गया था। लेकिन दिन में वह वापस आ गया था। शाम को वह रामपुरा में अपने दोस्त दीपक पुत्र राजेन्द्र को उसके साथ उसके घर छोड़ने गया था। तभी रास्ते में रात करीब 10 बजे एक पिकअप गाड़ी साहडोद गांव की तरफ से आई, जिसमें 10 से 15 बदमाशों ने रास्ते में ही उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस दौरान हमला करने वाले बदमाशों को पहचान लिया गया। जिसमें देवा पुत्र देशव, सचिन पुत्र जिले, राहुल पुत्र राजकुमार, अंकित, जिते, अब्बन, विरेन्द्र, करतार पुत्र निहाल सहित कई लड़के पिस्तौल लेकर आए थे। बदमाशों ने पिस्तौल बॉबी की कनपटी पर लगाकर कहा कि अल्ताफ को यहां बुलाओ। उसके बाद इन्होंने बॉबी पर ताबड़तोड़ जानलेवा हमला कर दिया। दीपक तो किसी तरह वहां से जान बचाकर भाग गया। किसी व्यक्ति ने इस पूरे घटना क्रम की सूचना उसको दी। सुचना मिलते ही तुरंत फूलबाग थाने पर पूरी घटना बताई। फूलबाग थाने की पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और सुरभि सोसाइटी के पास से बॉबी को लेकर आई। पीड़ित के द्वारा दी गई लिखित शिकायत के आधार पर फूलबाग थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। बूटा सिंह ने बताया कि उसका बेटा बॉबी और उसकी लड़कियां 9वीं क्लास में 3 साल पहले साहडोद गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ते थे। इस दौरान साहडोद गांव के ही रहने वाले कुछ बदमाश प्रवृत्ति के लड़कों से उनके बच्चों की कहासुनी हो गई थी। उन्होंने उन बच्चों से परेशान होकर बॉबी सहित अपनी बच्चियों का नाम स्कूल से कटा लिया था और भिवाड़ी में ही एडमिशन करवा दिया था। उसी रंजिश को लेकर साहडोद के युवकों ने उनके बच्चों पर जानलेवा हमला किया है। बूटा सिंह ने बताया कि उनका बेटा बॉबी और दोस्त दीपक शादी समारोह में जाने के लिए अपने दोस्त धर्मेंद्र की बाइक मांग कर लेकर गए थे। साहडोद के युवकों ने उनके बेटे से बदला लेने के लिए धर्मेंद्र को पहले से ही अपने कब्जे में ले रखा था।

स्वास्थ्य विभाग को स्कूलों के कैंटीन से मिली एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री, मौके पर किया नष्ट

श्रीगंगानगर

लाके में बिक रहे एक्सपायरी डेट के फूड आइटम्स की रोकथाम के लिए हेल्थ डिपार्टमेंट शनिवार को एक बार फिर एक्टिव नजर आया। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला की देखरेख में इस बार विभाग की टीम ने स्कूलों की कैंटीन पर कार्रवाई की। इन कैंटीन में रखे फूड आइटम्स की जांच की गई, तो चौंकाने वाले खुलासे हुए। यहां एक्सपायरी डेट के फूड आइटम्स मिले, जिन्हे मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

एक्सपायरी सामान को करवाया नष्ट

हेल्थ डिपार्टमेंट की टीम ने शहर के नोजगे पब्लिक स्कूल पहुंचकर वहां कैंटीन की व्यवस्थाएं देखी। सीएमएचओ सिंगला ने यहां रखे मसाले, फूड आइटम के पैकेट आदि देखे। इनमें कुछ आइटम्स एक्सपायरी डेट का पाए जाने पर मौके पर ही नष्ट करवाये गये। स्कूल के पास फूड लाइसेंस भी नहीं है। इसके बावजूद स्कूल कैंपस में फूड आइटम्स की कैंटीन का संचालन किया जा रहा है। स्कूल में पॉपकॉर्न, ब्रेड, एनर्जी ड्रिंक, सोंठ पाउडर, चॉकलेट ड्रिंक, चिली सॉस, सोया सॉस सहित कई अन्य समान एक्सपायरी डेट का होने के कारण इसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

लापरवाही बरतने वालों पर होगी कार्रवाई

स्कूल चेयरमैन पीएस सूदन का कहना है कि स्कूल की कैंटीन की जांच सामान्य प्रक्रिया है। उन्हें एक्सपायरी डेट वाला सामान मिलने की जानकारी नहीं है। अगर ऐसा हुआ है तो लापरवाही बरतने वाले कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

समोसे व दूध का लिया सैंपल

सीएमएचओ सिंगला ने बताया कि गुड शैफर्ड पब्लिक स्कूल और ब्लूमिंग डेल्स इंटरनेशनल स्कूल में भी जांच की गई। इनमें ब्लूमिंग डेल्स इंटरनेशनल स्कूल में समोसे का सैंपल लिया गया। वहीं विभागीय टीम ने सुबह पंजाब से श्रीगंगानगर में बिक्री के लिए आ रही एक गाड़ी में लदे करीब 800 लीटर दूध का भी सैंपल लिया।

गुजरात एटीएस की गिरफ्त से भागा वांटेड, 4 जने डिटेन, आरोपी के परिवार- पुलिस में कहासुनी

बाड़मेर

गुजरात एटीएस वांटेड को पकड़ने के लिए बाड़मेर पहुंची, लेकिन वांटेड पुलिस की गिरफ्त से भाग गया। इस दौरान एटीएस टीम और वांटेड आरोपी आमने-सामने हो गए। धोरीमन्ना पुलिस सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और एक महिला सहित चार जनों को डिटेन किया। धोरीमन्ना थानाधिकारी माणकराम विश्नोई ने बताया- वांटेड के नाम का खुलासा नहीं कर सकते है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है। आरोपी आबकारी व एनडीपीएस मामले में वांटेड बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है- गुजरात एटीएस को सूचना मिली थी कि वांटेड बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना इलाके रोहिला पूर्व में आया हुआ है। इस पर धोरीमन्ना पुलिस ने शनिवार को सुबह 5 बजे बिना स्थानीय पुलिस को सूचना दिए रोहिला पूर्व गांव में दबिश दी। परिवार के विरोध के चलते वांटेड एटीएम पुलिस की गिरफ्त से भागने में सफल रहा। इस दौरान एटीएम टीम और आरोपी का परिवार आमने-सामने हो गया। एटीएस ने धोरीमन्ना पुलिस को सूचना दी, जिसकी सूचना पर धोरीमन्ना थाना पुलिस और उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे। धोरीमन्ना थानाधिकारी माणकराम विश्नोई ने बताया- रोहिला पूर्व में गुजरात वांटेड पकड़ने के लिए गई थी। लेकिन परिवार के विरोध के चलते वांटेड भाग निकला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे, तब एटीएस और वांटेड के परिवार के बीच बहसबाजी चल रही थी। मामले में हमने एक महिला सहित चार जनों को डिटेन किया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

गांव में एक साथ निकली 6 अर्थियां, बाजार रहे बंद, सड़क हादसे में एक ही परिवार के 5 की मौत

अनूपगढ

अनूपगढ़ जिले में रायसिंहनगर क्षेत्र के गांव कीकरवाली में शोक छाया रहा। सड़क हादसे में मरे छह लोगों का यहां गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। गांव में एक साथ 6 अर्थियां उठने पर हर किसी की आंखें नम हो गईं। पूरे गांव में मातम का माहौल पसरा रहा। शोक के कारण पूरा बाजार बंद रखा गया। शनिवार सुबह 8 बजे गांव के बाहर स्थित धर्मकांटे पर सभी के शव पहुंचे तो गांव वालों ने उन्हें वहीं रख लिया क्योंकि गांव वालों का मानना था कि अगर परिवार के सदस्य एक साथ शवों को देखेंगे तो उन्हें संभालना बहुत मुश्किल हो जाएगा।। इसके 2 घंटे बाद वे शवों को लेकर गांव पहुंचे। समेजा कोठी थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुरा के पास शुक्रवार को ट्रोला और करूजर में हुई जबरदस्त भिड़ंत में 4 महिलाओं सहित 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतकों में करूजर चालक को छोड़कर बाकी सभी एक ही परिवार के लोग हैं। यह हादसा अनूपगढ़ नेशनल हाईवे 911 पर शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ। एक गंभीर घायल महिला कांता को अनूपगढ़ सीएचसी से श्रीगंगानगर रेफर किया गया। सभी मृतक और घायल रायसिंहनगर क्षेत्र के गांव कीकरवाली के निवासी हैं, जो गांव 86 जीबी में रिश्तेदारी में शोक जता कर घर लौट रहे थे। हादसे के बाद शुक्रवार को 5 शवों का पोस्टमार्टम समेजा कोठी के सरकारी अस्पताल में कराया गया था। जबकि करूजर के ड्राइवर के शव का पोस्टमार्टम अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल में करवाया गया था। हादसे में किकरवाली निवासी राशन डिपो होल्डर हेतराम (45) पुत्र हनुमान उसकी पत्नी सुनीता (42), मृतक हेतराम की चाची लिछमा देवी (55) पत्नी कृष्ण लाल, भाभी विद्या देवी (40) पत्नी देवीलाल, भाभी कलावती देवी (48) पत्नी हंसराज और करूजर चालक रमेश नाई (38) शंकर लाल की मौत हो गई थी। मृतका लिछमा देवी 1995-2000 तक सरपंच भी रही हैं। आज सुबह 10 बजे जब सभी शवों को उनके घर ले जाया गया, तो परिवार के सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। परिवार के सदस्यों की हालत गांव वालों ने देखी तो सभी ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। ग्रामीणों ने खुद को संभालते हुए परिवार के लोगों को ढांढस बंधाने का प्रयास किया।

4 घरों से निकलीं 6 अर्थियां

गांव किकरवाली के चार घरों से 6 अर्थियां निकलीं और उनका अंतिम संस्कार किया गया। हेतराम, सुनीता और हेतराम की भाभी कलावाती की अर्थी एक घर से निकली। विद्या देवी, लिछमा देवी और करूजर चालक रमेश नाई की अर्थी उनके घर से निकली। इसके बाद गांव की कल्याण भूमि में सभी शवों का अंतिम संस्कार किया गया। 60 वर्षीय रणधीर रोझ ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा हादसा नहीं देखा। अक्सर समाचारों में ही ऐसे हादसे देखने और सुनने को मिलते हैं मगर उनके जीवन में यह पहला हादसा है और इस हादसे ने उन्हें अंदर तक हिला दिया है। जैसे ही इस हादसे की जानकारी गांव कीकरवाली के ग्रामीणों को मिली उसी दौरान गांव का बाजार बंद हो गया और आज अंतिम संस्कार किए जाने तक गांव का बाजार पूरी तरह से बंद रहा। बाजार के दुकानदारों ने अपनी इच्छा से बाजार को बंद रखकर सभी मृतकों की शव यात्रा में शामिल हुए।

आरोप लगाना आसान है, जवाब देना मश्किल, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष , बोले - जिस दिन उंगली उठेगी, उस दिन राजनीति छोड़ दूंगा

चित्तौड़गढ़

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने अपने ऊपर आरोप लगाए गए आरोपों के जवाब में कहा कि मेरे ऊपर तो पहले दिन से ही आरोप लगाए गए हैं। कुछ लोगों ने हवाओं का रुख बदलने की कोशिश की लेकिन सब तमाम हथकंडे फेल हो गए हैं। जिस दिन सीपी जोशी के ऊपर उंगली उठेगी, उस दिन मैं राजनीति छोड़ दूंगा। अगर आरोप लगाने वाले पाक और साफ दिल के हैं तो सामने आकर जवाब दीजिए। उन्होंने पहले चरण में वोटिंग कम होने का कारण कांग्रेस के प्रति जनता की उदासीनता को बताया। जबकि दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत के बढ़ने का कारण मोदी के प्रति विश्वास का बताया है। चुनाव खत्म होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी अपने कार्यकर्ताओं से मिलने पहुंचे। प्रताप नगर स्थित चुनावी कार्यालय पहुंचकर उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को धन्यवाद जताया। उन्होंने इस दौरान विश्वास दिलाते हुए कहा कि राजस्थान के 25 की 25 सीटों पर कमल जरूर खिलेगा। राजस्थान की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार भी चुनने का भरोसा बताया है। उन्होंने मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को इसके लिए धन्यवाद जताया। उन्होंने कहा कि पहले चरण में जो भी मतदान प्रतिशत कम हुए हैं उसका एक कारण है कि कांग्रेस के प्रति मतदाताओं में उदासीनता थी। जबकि दूसरे चरण में मतदाताओं ने उत्साह दिखाया है। जिस सेना का सेनापति ही अपनी सीट छोड़कर वायनाड भाग जाए और यही स्थिति राजस्थान में भी उनके नेताओं की हुई है। जबरदस्ती पकड़ पकड़ के टिकट दिए जाने के बाद कुछ लोग पीछे हट गए। ऐसे में जनता किसके ऊपर भरोसा रखेगी। एक कमजोर नेतृत्व के ऊपर जनता विश्वास नहीं दिखा सकती। गलत नीति के ऊपर भरोसा कैसे कर पाएगी। बीजेपी पर लोगों ने भरोसा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साफ नियत पर मतदाताओं ने अपना भरोसा दिखाया है।

उंगली उठाना आसान है, जवाब देना मुश्किल

उन्होंने अपने ऊपर चुनाव से पहले लगे हुए आरोपों के लिए कहा कि कुछ लोगों ने हवाओं का रुख बदलने की कोशिश की लेकिन जब पार्टी का कार्यकर्ता अपने काम में लग जाता है तो तमाम हथकंडे फेल हो जाते हैं। पहले दिन से ही मुझ पर कई आरोप लगाए जा रहे है। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस दिन सीपी जोशी के ऊपर उंगली उठेगी, मैं राजनीति छोड़ दूंगा। मैं सामने वाली पार्टी को कहना चाहता हूं कि वह तो कीजिए जो मैंने कहा है। अब तो चुनाव हो गए हैं तो सामने आकर बात करें। अगर आप पाक और साफ दिल के है तो सामने आकर जवाब दीजिए। किसी के ऊपर उंगली उठाना आसान होता है लेकिन जवाब देना उतना ही मुश्किल होता है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आर्थिक न्याय फार्मूले और उनके सहयोगी सैम पित्रोदा के विरासत टैक्स के विचार ने आम चुनाव के दौरान राजनीतिक तूफान ला दिया है। भाजपा को बैठे-बिठाए कांग्रेस को घेरने का मौका मिल गया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा है कि उसकी सरकार आएगी तो जाति जनगणना होगी। उसके बाद आर्थिक सर्वे होगा। राहुल ने कहा कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों की सम्मिलित आबादी करीब 90 फीसदी है, जिनकी देश की संपत्तियों में प्रॉपर हिस्सेदारी नहीं है। आजादी से पहले मुस्लिम लीग और आजादी के बाद डॉ. भीमराव आंबेडकर ने आनुपातिक हिस्सेदारी की मांग उठाई थी, जिसे उस वक्त कांग्रेस ने ठुकरा दिया था। राहुल के विचार में आंबेडकरवादी व साम्यवादी विमर्श का घालमेल है, जो संविधान की भावना के खिलाफ है। विरासत टैक्स की बात करें तो वर्ष 1953 में इस्टेट ड्यूटी की शुरूआत हुई थी, वर्ष 1985 में तत्कालीन राजीव गांधी की सरकार ने खत्म कर दिया था। वर्ष 1998 उपहार टैक्स व वर्ष 2015 में वेल्थ टैक्स समाप्त किया जा चुका है। आर्थिक सिद्धांत के मुताबिक संपत्ति पुनर्वितरण और विरासत टैक्स जैसे आइडिया से आर्थिक असमानता दूर नहीं की जा सकती है, आर्थिक नीतियों के सुचारू संचालन से ही आर्थिक खाई पाटी जा सकती है। संपत्ति पुनर्वितरण व विरासत टैक्स के मुद्दे पर भाजपा ने कांग्रेस को आक्रामक तरीके से घेरा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन दोनों मुद्दों पर कांग्रेस ने एक बार फिर से सेल्फ गोल कर लिया है। इन मुद्दों के राजनीतिक असर का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

विरासत कर के बवंडर का सच

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ पत्रकार

संपत्तियों के सर्वे और वितरण संबंधी विवाद कांग्रेस की स्वयं की देन है। इसे लेकर उठे बवंडर के बीच विदेश में कांग्रेस पार्टी की इकाई ओवरसीज कांग्रेस ऑफ इंडिया के प्रमुख सैम पित्रोदा ने उत्तराधिकार कर का बयान देकर इसे लोकसभा चुनाव के एक बड़े मुद्दे के रूप में स्थापित कर दिया है। स्वाभाविक है कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित समूची भाजपा कांग्रेस पर यह आरोप लगा रही है कि वह लोगों के घरों में घुसकर संपत्तियों का सर्वे करेगी तथा समान वितरण के नाम पर अपने चाहत के अनुरूप समुदाय विशेष के बीच बांट देगी उस समय यह बयान बवंडर को और बढ़ने वाला ही साबित होना था। सैम पित्रोदा के बयान को व्यक्तिगत कह कर खारिज करना आसान नहीं है।

कांग्रेस के रणनीतिकारों का जो भी मानना हो, लेकिन उसके विचार एवं व्यवहार इन दिनों लगातार आम व्यक्ति को हैरत में डालते हैं। अनेक गंभीर लोग बातचीत में प्रश्न करते हैं कि आखिर कांग्रेस को हो क्या गया है? संपत्तियों के सर्वे और वितरण संबंधी विवाद कांग्रेस की स्वयं की देन है। इसे लेकर उठे बवंडर के बीच विदेश में कांग्रेस पार्टी की इकाई ओवरसीज कांग्रेस ऑफ इंडिया के प्रमुख सैम पित्रोदा ने उत्तराधिकार कर का बयान देकर इसे लोकसभा चुनाव के एक बड़े मुद्दे के रूप में स्थापित कर दिया है। स्वाभाविक है कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित समूची भाजपा कांग्रेस पर यह आरोप लगा रही है कि वह लोगों के घरों में घुसकर संपत्तियों का सर्वे करेगी तथा समान वितरण के नाम पर अपने चाहत के अनुरूप समुदाय विशेष के बीच बांट देगी उस समय यह बयान बवंडर को और बढ़ने वाला ही साबित होना था। सैम पित्रोदा के बयान को व्यक्तिगत कह कर खारिज करना आसान नहीं है। आखिर वह कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी हैं और सोनिया गांधी परिवार के निकटतम लोगों में माने जाते हैं। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समानांतर विदेशों में प्रोजेक्ट करने , जगह-जगह उनका भाषण और पत्रकार वार्ताएं करने की पूरी कमान उनके हाथों में होती है। वह कह रहे हैं कि जब हम सामान वितरण की बात करते हैं तो हमें अमेरिका जैसे इन्हेरिटेंस टैक्स यानी उत्तराधिकार कर पर भी विचार करना चाहिए। उनके अनुसार यहां कई राज्यों में पिता की मृत्यु के बाद संपत्ति की विरासत संभालने वाले को 55 प्रतिशत तक कर देकर उसके हिस्से शेष 45 प्रतिशत आता है। इससे स्वाभाविक ही यह शंका गहरी हुई कि कांग्रेस सत्ता में आने पर वाकई विरासत कर भी लगा सकती है।

नहीं मिलता मुद्दा

अगर राहुल गांधी ने अपने भाषणों और वक्तव्यों में लगातार जाति जनगणना के साथ वित्तीय एवं आर्थिक सर्वे की बात नहीं करते तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या भाजपा को इसे इतना बड़ा मुद्दा बनाने का अवसर नहीं मिलता। उनके भाषण और वक्तव्य सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, जिनमें वह कह रहे हैं कि हम सत्ता में आने पर जाति जनगणना करेंगे और उसके बाद क्रांतिकारी कदम उठाएंगे, संपत्ति के समान वितरण के लिए वित्तीय सर्वेक्षण करा कर देखेंगे कि किसके पास किस वर्ग के पास कितनी संपत्ति है। इसके बाद जितना जिसका हक होगा उतना उसको दिया जाएगा। कांग्रेस का घोषणा पत्र यानी न्याय पत्र जारी होने के पूर्व और बाद में भी वह इस पर बोलते रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कहा है कि आप से मिलना चाहता हूं ताकि मैं आपको अपना घोषणा पत्र समझा सकूं। खड़गे सहित कांग्रेस पार्टी के अंदर कोई यह कहने को तैयार नहीं है कि हम वित्तीय और आर्थिक सर्वे नहीं करेंगे तथा समान वितरण की भी बात हमारे एजेंडे में नहीं है। इसकी बजाय कांग्रेस के नेता प्रवक्ता लगातार भारत में उद्योगपतियों, अरबपतियों को निशाना बनाते हुए इनमें से कुछ के हाथों धन सिमट जाने के वक्तव्य दे रहे हैं। अगर सर्वेक्षण होगा तो फिर सर्वेक्षणकर्मी लोगों के घर में जाएंगे। घर वाले चाहें न चाहें उनकी एक-एक चीज देखी जाएगी। इसके अलावा अगर सर्वेक्षण का कोई तरीका कांग्रेस के पास है तो उसे बताना चाहिए। मंगलसूत्र जैसे शब्द व्यंग्यात्मक शैली में होते हैं। इनका इतना ही अर्थ है कि महिलाओं के आभूषण तक भी सर्वे में जाने जाएंगे। संपत्ति के विवरण के वैधानिक प्रावधानों में आभूषणों आदि की पूरी सूची और उसके मूल्य बताने ही पड़ते हैं। चूंकि राहुल गांधी अपनी घोषणा पर कायम हैं और कांग्रेस इससे पीछे नहीं हट रही तो सैम पित्रोदा के उत्तराधिकार कर से देश में भय पैदा हो गया है। कुछ लोगों ने तो यह भी तलाश लिया कि पहले भी भारत ने विरासत कर था और स्वयं पित्रोदा कोई नई बात का नहीं कह रहे हैं। प्रकारांतर से यह स्वयं पित्रोदा के विचार का समर्थन करना ही है । निश्चित रूप से था और यह अंग्रेजों का बनाया हुआ कानून था जो व्यवहार में नहीं उतर पाया तथा सरकारी विभागों में इतने मुकदमे हुए, जिनके खर्च उससे प्राप्त से ज्यादा हो गया। हालांकि प्रधानमंत्री का आरोप है कि राजीव गांधी के प्रधानमंत्रीत्व काल में उसे इसलिए हटाया गया, क्योंकि उन्हें बिना कर दिए अपनी मां की संपत्ति का उत्तराधिकार लेना था। सच है कि पारिवारिक संपत्ति में से संजय गांधी के परिवार को शायद ही कुछ प्राप्त हुआ हो। यह ऐसा मुद्दा रहा है जिसे आरंभिक दिनों में मेनका ने उठाया था।

बहरहाल, भले अर्थव्यवस्था, समाज और देश के बारे में समझ रखने वाले इसे उचित न मानें लेकिन कांग्रेस के अंदर भाव यही है कि राहुल गांधी की इन घोषणाओं का देश के आम लोगों पर बड़ा प्रभाव है और उन्हें लगता है कि कांग्रेस सत्ता में आई तो देश के धनी और संपन्न लोगों की संपत्तियां लेकर हमारे बीच बांटा जाएगा। वह मानते हैं कि इससे उनका वोट काफी बढ़ेगा और सत्ता में भी आ सकते हैं।

न्याय और गारंटी तर्कसंगत नहीं

पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस की नीति और व्यवहार में पुरानी शैली के वामपंथियों की तरह संपत्तिवानों, उद्योगपतियों आदि के विरुद्ध घृणा और गुस्सा साफ परिलक्षित होता रहा है। उनको निशाना बनाया जाता है। पांच न्याय और 25 गारंटी में कांग्रेस ने ऐसी-ऐसी बातें की है जिनको धरातल पर उतारना भारतीय अर्थव्यवस्था के बूते की बात नहीं है, लेकिन इस समय कांग्रेस के थिंक टैंक या सोनिया गांधी परिवार को सुझाव देने वाले मानते हैं कि कांग्रेस को पुराने वामपंथियों की तरह क्रांतिकारी तेवर धारण करना चाहिए तभी वह अपना खोया हुआ जनाधार वापस ला सकती है तथा भाजपा को हरा सकती है। सैम पित्रोदा ने जो कहा है वह इसी सोच का विस्तार है। हमारी वर्तमान युग में अपनी क्षमता, प्रतिभा की बदौलत उत्तरोत्तर आर्थिक प्रगति पर किसी भी बंधन की स्वीकार्यता नहीं है। इससे समाज के विकसित होने की मानसिकता कमजोर होती है तथा यह पूरे देश की प्रगति को उल्टी दिशा में मोड़ना है। इसलिए संपत्ति पर कैप लगाना या उसके एक बड़े हिस्से का राष्ट्रीयकरण कर लोगों में बांटना या एक सीमा से ज्यादा संपत्ति पर जरूर से ज्यादा कर लगाकर उसकी आय को बांट देने की सोच का कभी समर्थन नहीं किया जा सकता। इससे भयावह अराजकता की स्थिति पैदा होगी जिसे संभालना कठिन होगा। चूंकि कि चुनाव के बीच यह मुद्दा आ गया है इसलिए देश के लोगों को तय करना है कि वह इसके साथ है या विरोध में।

आपकी दृष्टि में अमेरिका एक पूंजीवादी देश है, लेकिन क्रांति हुए बिना वहां वामपंथियों की ताकत हमेशा सशक्त रही है। वहां ये सत्ता, प्रशासन, न्यायपालिका , मीडिया से लेकर पूरे थिंक टैंक पर हावी हैं। वहां के बड़े-बड़े पूंजीपति जिनमें जार्ज सोरोस जैसे लोग शामिल है, भी अपने प्रकट लक्ष्यों और घोषणाओं में आधुनिक वामपंथी ही है। उनकी दृष्टि की लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में उनकी ही सोच की अर्थव्यवस्था, समाज के बीच संपत्ति का विभाजन, अल्पसंख्यकों के विशेषाधिकार आदि के लक्ष्य से भारत जैसे विकासशील देश में बदलाव के लिए अपने थिंक टैंक विकसित करते हैं और ऐसे लोगों को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। उनका लक्ष्य ऐसे देश को सशक्त करना तो नहीं हो सकता।

विदेशों में उनके भाषण होते हैं, इसलिए यह मानने का कोई कारण नहीं है कि राहुल गांधी, कांग्रेस के दूसरे नेता या सैम पित्रोदा के साथ उनके संवाद नहीं होंगे। इस अतिवादी वाम सोच में ही अल्पसंख्यकों के लिए वैसे विशेष प्रावधानों की घोषणाएं हैं, जिन्हें देखकर भाजपा के लिए यह आरोप लगाना आसान हो गया है कि संपत्ति के सर्वे के पीछे राहुल गांधी और कांग्रेस का इरादा अल्पसंख्यकों के नाम पर मुसलमानों के बीच ही उसे वितरीत करना है। इस पर बहस हो सकती है तथा पहली दृष्टि में कहा जा सकता है कि भाजपा जानबूझकर कांग्रेस को मुस्लिमपरस्त साबित करने के लिए ऐसा कर रही है, किंतु कांग्रेस ने अभी तक इस बात का खंडन नहीं किया है कि उसकी मंशा मुसलमानों को विशेष तौर पर धन के वितरण में या आरक्षण आदि में शामिल करना नहीं है। यूपीए सरकार के दौरान आप देखेंगे कि केंद्र से राज्यों की कांग्रेस सरकारों ने मुसलमानों के लिए अनेक प्रावधान किए, अनेक संपत्तियां अलग-अलग इस्लामी संस्थाओं को दी गई और उनके लिए सरकार के नियम कानून तक बदले गए। बाद में दूसरी सरकारों ने उनमें से कई संपत्तियां वापस ली और इनमें न्यायालय का भी साथ मिला।

अराजकता की आशंका

भारतीय सभ्यता संस्कृति की परंपरागत व्यवस्था में संपत्तियों के अधिक संग्रह का आदेश नहीं था। परिश्रम से अर्जित करने पर रोक नहीं था, लेकिन उसके स्वामित्व की सीमाएं रहीं हैं तथा अर्जित संपत्तियों को भी सहकारी जीवन की तरह मिल बांटकर खाने की व्यवस्था रही है। वर्तमान युग में अपनी क्षमता, प्रतिभा की बदौलत उत्तरोत्तर आर्थिक प्रगति पर किसी भी बंधन की स्वीकार्यता नहीं है। इससे समाज के विकसित होने की मानसिकता कमजोर होती है तथा यह पूरे देश की प्रगति को उल्टी दिशा में मोड़ना है। इसलिए संपत्ति पर कैप लगाना या उसके एक बड़े हिस्से का राष्ट्रीयकरण कर लोगों में बांटना या एक सीमा से ज्यादा संपत्ति पर जरूर से ज्यादा कर लगाकर उसकी आय को बांट देने की सोच का कभी समर्थन नहीं किया जा सकता। इससे भयावह अराजकता की स्थिति पैदा होगी जिसे संभालना कठिन होगा। चूंकि कि चुनाव के बीच यह मुद्दा आ गया है इसलिए देश के लोगों को तय करना है कि वह इसके साथ है या विरोध में।

विपक्ष के मुद्दे सत्तापक्ष के आगे बेअसर

मुद्दा

प्रणय यादव

वरिष्ठ टीवी पत्रकार

मौसम गर्म हो गया है। पारा चालीस डिग्री के पार चला गया है, लेकिन दो चरण के मतदान के बाद भी चुनावी गर्मी वैसी नहीं है जैसी होनी चाहिए। राजनीतिक दलों और नेताओं के भाषणों में तो हीटवेब दिख रही है, लेकिन जनता में जो उत्साह होना चाहिए और चुनाव के वक्त जैसा होता है वो इस बार नहीं दिख रहा है। फर्स्ट फेज में कम वोटिंग के बाद चुनाव आयोग ने, नेताओं ने और सामाजिक संगठनों ने मतदाताओं को पोलिंग बूथ्स तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करने की कोशिशें की, लेकिन दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत और गिर गया। ये लोकतन्त्र के लिए अच्छा नहीं है। मतदाताओं का वोट डालने न जाना राजनातिक दलों के लिए भी परेशानी का सबब है। हालांकि सार्वजनिक तौर पर सत्ता पक्ष हो या विपक्ष दोनों इसे अपने-अपने लिए फायदेमंद बता रहे हैं। लेकिन परेशान दोनों पक्ष हैं। फर्स्ट फेज की वोटिंग के बाद मुद्दे, भाषा और अंदाज एनडीए का भी बदला है और इंडिया अलायन्स का भी।

पहले चरण के बाद मुद्दे बदले

वोटिंग का दौर शुरू होने से पहले विकास बड़ा मुद्दा था। दुनिया में भारत की बढ़ती ताकत, आतंकवाद, पाकिस्तान को सबक, आर्टिकिल 370 और राम मंदिर, ये बीजेपी के मुख्य मुद्दे थे। विपक्ष बेरोजगारी, मंहगाई, जांच एजेंसियों का राजनीतिक दुरूपयोग, विपक्ष की सत्ता वाले राज्यों के साथ भेदभाव, जातिगत जनगणना, भागीदारी के हिसाब से हिस्सेदारी जैसे मुद्द उठा रहा था, लेकिन फर्स्ट फेज की वोटिंग के बाद अचानक बीजेपी ने गियर बदल दिया। अब सांप्रादियकता का मुद्दा, हिन्दू मुसलमान की बात सेंटर स्टेज में आ गई है। असल में कांग्रेस ने जो मैनिफेस्टो जारी किया है। उसमें आर्थिक समानता के लिए संपत्ति के सर्वे की बात कही गई है। जातिगत जनगणना का वादा है और उसके बाद आरक्षण की सीमा पर लगी पचास परशेंट की पाबंदी को हटाने की बात है। कांग्रेस के मैनिफेस्टो में साफ साफ तो नहीं लेकिन घुमाफिरा कर ये संकेत दिया गया है कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों का भी इस मामले में ख्याल रखेगी। बस बीजेपी ने इसी बात को पकड़ लिया। इसे समुदाय विशेष के आरक्षण से जोड़ दिया। बांसवाड़ा की रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ कहा कि कांग्रेस देश के लोगों की संपत्ति छीनकर अपने चहेतों को देना चाहती है। कांग्रेस दलित पिछड़े और आदिवासियों के हक का आरक्षण को छीनेगी और मुसलमानों को दे देगी। इसके बाद ये बड़ा मुद्दा बन गया। कांग्रेस और उसके साथी दल रक्षात्मक मुद्रा में आ गए। कांग्रेस के साथ असली दिक्कत ये है कि उसे मुस्लिम वोट भी चाहिए और हिन्दुओं के वोट के बगैर के उसका काम नहीं चलेगा, इसलिए कांग्रेस के नेता न ये कह सकते हैं कि वो मुसलमानों को आरक्षण नहीं देंगे और न ये कह सकते हैं कि देंगे। इसी स्थिति का फायदा बीजेपी उठा रही है। पहले मोदी ने आन्ध्र प्रदेश में मुस्लिम रिजर्वेशन का हवाला दिया और फिर कर्नाटक का केस जनता के सामने रख दिया। कांग्रेस इस बात से इंकार नहीं कर सकती कि कर्नाटक में सभी मुस्लिम जातियों को आरक्षण मिल रहा है। हालांकि कर्नाटक में मुस्लिम जातियों को आरक्षण कांग्रेस के जमाने में नहीं

मिला। 1994 में ये फैसला हुआ था उस वक्त कर्नाटक में एचडी देवेगौड़ा की सरकार थी। देवेगौडा कर्नाटक के मुख्यमंत्री थे। जो अब बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन कांग्रेस लोगों को ये बात नहीं समझा पा रही। क्योंकि इस वक्त तो कर्नाटक में कांग्रेस की ही सरकार है। कांग्रेस का तर्क ये है कि मुसलमानों को आरक्षण धर्म के आधार पर नहीं सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के आधार पर मिल रहा है, लेकिन फिर सवाल ये है कि कुछ जातियों गरीबी और पिछड़ेपन का शिकार हो सकती है कि आरक्षण के दायरे में सारी जातियों को क्यों लाया गया। कांग्रेस का तर्क है कि तीस साल में 16 साल बीजेपी की सरकार रही। बीजेपी ने कर्नाटक में मुसलमानों का आरक्षण खत्म क्यों नहीं किया। हकीकत ये है कि बीजेपी ने बहुत ही चालाकी से 2023 के चुनाव से पहले मुसलमानों का आरक्षण खत्म करके वोकालिंगा और लिंगायत समाज को दो दो फीसदी आरक्षण दिया था। मुस्लिम जातियों के लिए नई कैटेगरी बना दी, लेकिन मामला कोर्ट में चला गया और सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के आदेश पर रोक लगा दी। फिर कांग्रेस की सरकार आ गई और अब तक मुस्लिम्स को रिजर्वेशन मिल रहा है इसीलिए कांग्रेस इस मुद्दे पर घिर गई है। अब कॉमन सिविल कोड, सीएए, एनआरसी भी चुनाव के बड़े मुद्दे बन गए हैं। बीजेपी के नेता उत्तराखंड में कॉमन सिविल कोड लागू होने के हवाला देते हैं। देश भर में सीएए को सख्ती से लागू करने का दावा कर रहे हैं। हालांकि सीएए का हमारे देश के नागरिकों से कोई लेना देना नहीं है, ये कानून सिर्फ बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे देशों से भागकर आए हिन्दू सिख बौद्ध जैन और पारसियों के लिए है, लेकिन विपक्ष इसे मुसलमानों के खिलाफ बताकर इसका विरोध कर रहा है।

मुद्दों की काट

असल में बीजेपी ने बहुत ही कारगर रूप से विपक्ष के उन मुद्दों की काट खोजी है जिनसे बीजेपी को नुकसान की आशंका थी। कांग्रेस जातिगत जनगणना करवा कर भागीदारी के हिसाब से हिस्सेदारी देने का दावा कर रही थी। मतलब दलित पिछड़े और आदिवासी वोट बैंक पर खतरा था। अखिलेश यादव भी यूपी में पीडीए को मुद्दा बना रहे थे। कांग्रेस ने आर्थिक सर्वे करवा कर संपत्ति के समान बंटवारे का वादा किया था। लेकिन बीजेपी ने इसे हिडेन एजेंडा बता दिया। कांग्रेस के आर्थिक सर्वे के वादे को मंगलसूत्र से जोड़ दिया। अब मनोमहन सिंह के बयान का वीडियो भी घुमाया जा रहा है जिसमें मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक गरीबों, अल्पसंख्यकों खासतौर पर मुसलमानों का है। मोदी ने कांग्रेस के मैनिफेस्टो, राहुल गांधी के भाषण और मनमोहन सिंह के बयान को निकाल कर जो घुट्टी बनाई है। वो कांग्रेस के लिए गले की हड्डी बन गई है।

कुल मिलाकर चुनाव वोटिंग के शुरूआती चरण में ही सांप्रदायिकता पर आ गया। जो चुनाव विश्लेषक हैं, शुरूआत में वो कह रहे थे कि इन मुद्दों के सेंटर स्टेज पर आने से मतदान प्रतिशत बढ़ेगा। पोलराइजेशन होगा और दोनों तरफ से मतदाता बड़ी संख्या में पोलिंग बूथ पर पहुंचेंगे, लेकिन सेकेन्ड फेज की वोटिंग में इसका उल्टा हुआ। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान, बंगाल और कैरल जहां पोलराइजेशन का असर सबसे ज्यादा दिखना चाहिए था वहां मतदान प्रतिशत गिरा। इसको लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि मुस्लिम वोटर्स तो बड़ी संख्या में पोलिंग स्टेशन तक पहुंचा लेकिन बीजेपी का वोटर घर से नहीं निकला। दूसरा अंदाजा ये है कि देश में जिस तरह का माहौल है और दस साल की सरकार के बाद जब वोटिंग कम होती है तो इसका फायदा सत्ताधारी दल को होता है। हकीकत में क्या होगा ये तो चार जून को पता लगेगा, लेकिन अब तक कैंपेन में जो दिखा उससे इतना तय हो गया है कि हमारे देश में विकास की बातें कितनी भी हों, योजनाएं कितनी भी अच्छी हों लेकिन चुनाव हिन्दू-मुसलमान के इश्यू के बगैर नहीं होता।

राहुल-पित्रोदा इंडी गठबंधन पर भारी पड़ेंगे

असर

मनोज कुमार अग्रवाल

वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस की तरफ से उछाले गए संपत्ति पुनर्वितरण और विरासत टैक्स के विचार कांग्रेस के साथ-साथ इंडी गठबंधन को भी भारी पड़ सकते हैं। भाजपा ने जिस तरह से कांग्रेस को घेरा है, अगले पांच चरण के चुनाव में इसका असर अवश्य दिखाई देगा। कहते हैं कि इंसान में अनुभव से समझ विकसित हो जाती है, लेकिन कांग्रेस के नेता व कथित नेहरू गांधी परिवार के चश्मे चिराग राहुल गांधी पर यह बात लागू नहीं होती है। हालांकि इस बार उन्होंने होमवर्क करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, लेकिन इसके बावजूद उनकी जुबान से निकल रहे बयान कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर ही भारी पड़ रहे हैं। वहीं कांग्रेस के एक सलाहकार और मास्टर माइंड सैम पित्रोदा ने ऐसे समय में माता पिता से मिलने वाली संपत्ति पर विरासत टैक्स लगाने की बात कहकर सारे खेल को ही बिगाड़ दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसको हाथों हाथ लिया है और प्रहार किया है है कि 'कांग्रेस का मंत्र लूट है, जो जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। राहुल और उनके सलाहकार देश के मध्यम वर्ग पर और अधिक टैक्स लगाने की योजना बना रहे हैं। माता-पिता से मिलने वाली सम्पत्ति पर भी विरासत टैक्स लेने की कांग्रेस की योजना है। कांग्रेस का पंजा आपके बच्चों का अधिकार छीनने के लिए व्याकुल है'।

चुनावी माहौल देखकर ऐसा लगता है मानो विपक्षी दलों का कुनबा इंडी गठबंधन सत्ताधारी दल से मुकाबला करने में जूझ रहा है। मतदाताओं को लुभाने के लिए वे किसी तरह की कमी नहीं छोड़ रहे। कांग्रेस ने तो गरीब महिला मतदाताओं को रिझाने के लिए 1-1 लाख रुपये देने की घोषणा भी कर डाली है। आरक्षण की सीमा तोड़कर 50 प्रतिशत से आगे ले जाने, जाति आधारित जनगणना जैसे वादे भी कांग्रेस कर रही है। दूसरी ओर, भाजपा ने हर बात को इस तरह पेश किया है कि कांग्रेस जो भी कह या कर रही है, वह देश के लिए अत्यंत खतरनाक है।

बार-बार ऐसी गलतियां

वामपंथी सोच वाले सलाहकारों से घिरे कांग्रेस नेता राहुल गांधी अति-उत्साह में कई बार ऐसी बातें बोल जाते हैं, जिनसे भाजपा को बड़ा मुद्दा मिल जाता है। एकाध बार हो जाए तो वह चूक या गलती मानी जा सकती है, किन्तु राहुल से बार-बार ऐसी गलतियां होती हैं, जिनका लाभ भाजपा उठाती है। अब चुनावी सभा में राहुल ने कह दिया कि सत्ता में आने पर अमीरों का धन लेकर गरीबों में बांट देंगे। 7 अप्रैल को हैदराबाद में राहुल ने कहा, 'हम पहले यह निर्धारित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना करेंगे कि कितने लोग अन्य ओबीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। उसके बाद, धन के समान वितरण को सुनिश्चित करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम के तहत हम एक वित्तीय और संस्थागत सर्वेक्षण कराएंगे।' अब भाजपा ने इसे मुद्दा बना लिया है कि कांग्रेस पार्टी

की नजर आम आदमी की कमाई पर है, वह उसे छीनना चाहती है।

विपक्ष पर हमला

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ताला नगरी' अलीगढ़ में चुनावी जनसभा में कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन (इंडिया) पर बेहद गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा, 'मैं देशवासियों को आगाह करना चाहता हूं कि कांग्रेस और उसके गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई और संपत्ति पर है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी)का कहना है कि उनकी सरकार आई तो कौन कितना कमाता है, किसके पास कितनी संपत्ति है, उसकी करेंगे। इतना ही नहीं, वह कहते हैं कि यह जो संपत्ति है उसको अपने कब्जे में लेकर सबको बांट देगी। यह उनका चुनाव घोषणा पत्र है। वह सर्वे करना चाहते हैं कि जो नौकरी पेशा कर्मचारी हैं, उनकी कितनी संपत्ति है। यह सर्वे कराकर कांग्रेस सरकार के नाम पर संपत्ति को छीन कर बांटने की बात कर रही है। कांग्रेस यहां तक कह रही है कि अगर आपके पास दो घर हैं तो एक घर छीन लेगी। यह कम्युनिस्टों की सोच है, ऐसा ही करके कितने ही बर्बाद कर चुके हैं। अब यही नीति कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन में लागू करना चाहते हैं।' भाजपा ने यह भी कहना शुरू कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह कहते थे देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है, अब कांग्रेस आपकी संपत्ति छीनकर उनको बांटने की तैयारी कर रही है।

सवाल यह भी है

कल्पना कीजिए कि यदि महिला वर्ग में यह धारणा घर कर गई कि कांग्रेस की नजर वास्तव में उनके गहनों पर है, तो क्या कोई महिला कांग्रेस उम्मीदवार को वोट देगी? केवल महिलाएं ही क्यों, यदि उच्च मध्यम वर्ग एवं अभिजात्य वर्ग में भी यह विचार आ गया तो वे भी कांग्रेस को वोट नहीं देंगे। यह तो असल में अपने पांव पर खुद कुल्हाड़ी मारने जैसा हो गया। बची कसर उनके तकनीकी गुरु सैम पित्रोदा ने कर दी है, जो इन दिनों अमेरिका में हैं। उनके बयान भी पैतृक सम्पत्ति पर कर लगाने की बात कर रहे हैं। पित्रोदा के बयान ने कांग्रेस की फजीहत और बढ़ा दी है। एक और कांग्रेस अपने नेता के बयान पर सफाई देने में जुटी थी इस बीच पित्रोदा भी फूट पड़े और सारा रायता दोबारा बिखर गया है।

शब्दों का चयन

राहुल को अपने शब्दों का चयन बहुत सोच-समझकर करने की जरूरत है। उन्होंने धन के बंटवारे का जो शिगूफा छोड़ा है, वह न व्यावहारिक है और न ही उचित। यदि परिश्रम कर कमाने वालों का धन छीनकर निठल्लों को देने लगे तो देश में क्या स्थिति होगी, इसकी कल्पना मात्र डराने वाली है। ऐसी अराजकता पैदा करने वाली योजनाओं के बारे में सार्वजनिक दावे कोई भी राजनीतिक तौर पर परिपक्व नेता तो नहीं करेगा। रूस, वेनेजुएला की हालत लोग देख चुके हैं। अब भाजपा इसे मुद्दा बनाएगी और कांग्रेस सफाई देती रह जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी राजनीति के मंजे खिलाड़ी हैं, उनका मुकाबला कर पाना राहुल जैसे नौसिखिए और समय की नजाकत से बेख़बर उनके कांवेंट शिक्षित सलाहकारों के वश की बात नही है। ऐसे कमजोर रणनीतिक माहौल में उन क्षेत्रीय दलों का भी नुकसान हो सकता है, जो अपने बूते पर मतदाता के बीच वजूद रखते हैं, लेकिन अपने गठबंधन के नेता के ऐसे बयान उनके वोटर्स को भी भ्रमित कर सकते हैं ऐसे गठबंधन को कौन वोट देगा, जिसके नेता माता पिता की सौंपी विरासत पर टैक्स लगाने की योजना बना रहे हैं। कांग्रेस की सोच सही समय पर सामने आ गई है अब इंडी और कांग्रेस दोनों की लुटिया डूबनी तय है।

स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड का दमदार प्रदर्शन, दिया बंपर रिटर्न

रिटेल निवेशकों ने किया कमाल, स्मॉलकैप में लगी रकम 83% बढ़ी ● मार्च में रिकॉर्ड निकासी के बाद भी नहीं घटी निवेशकों की कमाई● इस साल स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड की संपत्ति 2.43 लाख करोड़ बढ़ी ● मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंची ● एक साल पहले 1.09 करोड़ थी, इसमें 81 लाख इजाफा हुआ● म्यूचुअल फंड में रिटेल निवेशकों की भागीदारी में उछाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। यह निवेशकों को छप्पर फाड़ रिटर्न दे रहा है। स्मॉल-कैप फंड्स ने 1 साल में 70% तक रिटर्न दिया है। इसमें निवेश कर निवेशक मालामाल हो रहे हैं। मार्च में रिकॉर्ड निकासी के बावजूद भी स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में निवेशकों का क्रेज यानी दिलचस्पी कम नहीं हो रही है। इसका कारण है, इस फंड में लगातार रिटेल निवेशकों की भागेदारी का बढ़ना। जो इस स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड को लोगों के बीच लोकप्रिय बना रहा है और अच्छी कमाई भी करवा रहा है। लगातार रिटेल निवेशकों की भागीदारी में उछाल और बाजार में तेजी से मार्च 2024 के अंत में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड कैटिगरी की संपत्ति 2.43 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ गई। यह सालाना आधार पर 83 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है। संपत्ति में वृद्धि को निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी ने ताकत दी। मार्च 2024 में फोलियो की संख्या 1.9 करोड़ तक पहुंच गई, जो एक साल पहले 1.09 करोड़ थी। इसमें 81 लाख इजाफा हुआ। यह स्मॉल-कैप फंड के प्रति निवेशकों के रुझान को दिखाता है।

निवेशकों को मिल रहे अवसर

बाजार के जानकारों को कहना है कि इस समय भारत की अर्थव्यवस्था लगातार तेजीर से बढ़ रही है। इसलिए निवेशक भी स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड में काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। लोग लगातार एसआईपी या लंपसप निवेश कर रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का वृद्धि पथ लोगों की बढ़ी हुई रुचि को दिखाता है। इससे कई गैर-सूचीबद्ध स्मॉल-कैप कंपनियां पूंजी बाजार से समर्थन मांग रही हैं। यह प्रवृत्ति दीर्घकालिक विकास संभावनाओं पर नजर रखने वाले निवेशकों को आशाजनक अवसर प्रदान करती हैं। हालांकि आम चुनाव, मॉनसून पूर्वानुमान, आर्थिक गतिविधि, इंफ्लेशन, जीडीपी अनुमान और वित्त वर्ष 2024-25 की आय वृद्धि जैसे फैक्टर स्मॉल-कैप कंपनी के वैल्यूएशन को प्रभावित कर सकते हैं और इस कैटिगरी में अस्थिरता ला सकते हैं। हालांकि इस सबके बावजूद स्मॉल-कैप कंपनियां ग्रोथा हासिल करने में सक्षम होंगी। इसमें निवेश अभी फायदे का सौदा हो सकता है। हालांकि एक्सपर्ट्स साफ कहते हैं कि थोड़ा रिस्क लेने की क्षमता रखने वाले लोगों को ही इनमें निवेश करना चाहिए।

40,188 करोड़ का इनफ्लो

वित्त वर्ष 2023-24 में स्मॉल-कैप फंड में 40,188 करोड़ रुपये का इनफ्लो देखा गया, जो पिछले वित्त वर्ष में दर्ज 22,103 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। हालांकि मार्च के महीने में स्मॉल-कैप फंड में दो साल में पहली बार 94 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली भी देखी गई। असोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड की एयूएम मार्च 2023 के अंत में 2.43 लाख करोड़ रुपये और मार्च 2022 में 1.33 लाख करोड़ रुपये थी।

क्या है वजह

शेयर बाजार में निवेशकों का पैसा बढ़ा है। इसके चलते इक्विटी रूट के जरिए निवेशकों का पैसा आ रहा है और बाजार में स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में अच्छा रिटर्न मिल रहा है। इसके चलते स्मॉलकैप और मिडकैप म्यूचुअल फंड में भी इंवेस्टमेंट बढ़ रहा है।

बढ़ रही रिटेल निवेशकों की दिलचस्पी

म्यूचुअल फंड में रिटेल निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी के कारण पिछले पांच साल में फोलियो की संख्या दोगुनी हो गई है। रिसर्च फर्म आईसीआरए के अनुसार मार्च 2024 तक म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो की कुल संख्या 17.79 लाख करोड़ हो गई। मार्च 2020 में इसकी संख्या 8.97 लाख करोड़ थी। आईसीआरए एनालिटिक्स ने कहा कि रिटेल निवेशक म्यूचुअल फंड के जरिये इक्विटी और बॉन्ड में निवेश करने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। फोलियो की लिस्ट में इक्विटी ओरिएंटेड फंड 68.7%, ईटीएफ 11.7% और हाइब्रिड स्कीम में 7.7% हिस्सेदारी है। मार्च 2024 तक इसके एयूएम पिछले पांच वर्षों में दोगुनी से अधिक होकर 53.40 लाख करोड़ रुपये हो गई है। मार्च 2020 में यह 22.26 लाख करोड़ रुपये थी।

क्या हैं स्मॉल-कैप फंड

स्मॉल-कैप म्यूचुअल वे फंड होते हैं, जो छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं। यानी ऐसी कंपनियां जिनके शेयरों की वैल्यू काफी कम है। इन्हें हम स्मॉलकैप कंपनियां कहते हैं। हालांकि, शेयर बाजार में लिस्टेड ऐसी कंपनियों के कारोबार में बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं का आकलन करने के बाद ही इनकी पहचान की जाती है। मार्केट कैप के लिहाज से शेयर बाजार की शीर्ष 250 कंपनियों को छोड़कर बाकी में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड निवेश करते हैं। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड अपने निवेश की रकम का 65% तक छोटी कंपनियों में लगाते हैं। इसके बाद बची 35% रकम को फंड मैनेजर मिड या लार्ज कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।

लम्बे समय के लिए निवेश फायदेमंद

कम समय में ज्यादा रिटर्न के लिए स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड स्कीम्स का रुख न करें। इसमें आपका नुकसान होना तय है। अगर आपकी लंबे समय तक निवेश की योजना है और जोखिम लेने की क्षमता हो तभी इन स्कीम्स का रुख करें। इनमें ज्यादा जोखिमछोटे कैप स्टॉक जोखिमपूर्ण होते हैं, क्योंकि उनमें कम कारोबार होता है। उदाहरण के लिए, एक कंपनी के पास एक अनूठी सेवा/उत्पाद हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त वित्त नहीं हो सकता है। तो, कभी-कभी धन की कमी एक बिजनेस को विफल कर देती है। लार्ज कैप शेयरों की तुलना में छोटे कैप स्टॉक ज्यादा अस्थिर होते हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार इसमें एसआईपी के जरिए निवेश करना ज्यादा सही रहता है।

एसआईपी के जरिए निवेश सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने के बजाए सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। इसलिए एसआईपी के जरीये निवेश बेहतर है।

लार्ज-कैप पर बढ़ रहा निवेशकों का भरोसा!

- बड़ी कंपनियों के शेयरों और ईटीएफ में लगातार बढ़ रहा निवेश
- सेबी के 'स्ट्रेस टेस्ट' के नतीजे भी निवेशकों को प्रभावित कर रहे
- सेबी के स्मॉल-कैप के मूल्यांकन पर लगाम लगाने के प्रयासों का असर मार्च 2024 में दिखा, निवेश कम हुआ

बचत
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार नियामक सेबी के छोटे शेयरों वाली स्कीम (स्मॉल-कैप) के अत्यधिक मूल्यांकन पर लगाम लगाने के प्रयासों का असर निवेशकों पर दिखने लगा है। अब निवेशकों का रुझान लार्ज-कैप की और बढ़ने लगा है। अगस्त 2021 के बाद पहली बार, मार्च 2024 में स्मॉल-कैप स्कीम में निवेश कम हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 15 महीनों में लगातार हर महीने औसतन 3300 करोड़ रुपये के निवेश के बाद, मार्च में इन स्कीम से 94 करोड़ रुपये की कुल निकासी देखने को मिली। हालांकि इसके बावजूद भी इन स्कीमों में निवेश हो रहा है। सेबी द्वारा कराए गए 'स्ट्रेस टेस्ट' के नतीजे भी निवेशकों के सेंटीमेंट को प्रभावित कर रहे हैं। इन परीक्षणों में यह पता लगाया गया कि स्मॉल और मिड-कैप फंडों को अपने पोर्टफोलियो का कितना हिस्सा जल्दी बेचना पड़ सकता है। सेबी के आदेश के अनुसार, म्यूचुअल फंड कंपनियों को हर महीने 15 तारीख को मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्कीम के लिए तरलता, अस्थिरता, मूल्यांकन और पोर्टफोलियो कारोबार से जुड़े आंकड़ों को सार्वजनिक करना होता है।

पिछले साल मचाई धूम

वर्ष 2023 में छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों (मिड और स्मॉल-कैप) ने तो धूम मचा दी थी। निवेशकों ने इनमें 64,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का निवेश किया। लेकिन बाजार नियामक सेबी को ये चिंता सता रही थी कि क्या जरूरत पड़ने पर ये फंड आसानी से अपने शेयर बेच पाएंगे?

लार्ज-कैप व ईटीएफ पर ध्यान

स्मॉल-कैप फंडों में निवेश कम होने के साथ ही बड़ी कंपनियों के शेयरों (लार्ज-कैप) वाले फंडों की तरफ निवेशकों का रुझान बढ़ रहा है। मार्च 2024 में लार्ज-कैप फंडों में 2,130 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया, जो पिछले 21 महीनों में सबसे ज्यादा है। गौर करने वाली बात यह है कि पहले हर महीने औसतन 115 करोड़ रुपये का निवेश बाहर निकलता था, जबकि अब इसके उल्टा हो गया है। दिलचस्प है कि मार्च 2024 में स्मॉल-कैप में जाने वाले निवेश का लगभग 70% अब लार्ज-कैप की ओर रुख कर गया है। सिर्फ इतना ही नहीं, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में भी निवेश बढ़ रहा है। मार्च 2024 में ईटीएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया, जबकि इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश होता था। कुल मिलाकर, निवेशकों की पसंद बदल रही है। वे अब छोटी और मझोली कंपनियों के फंडों के बजाय बड़ी कंपनियों और ईटीएफ जैसे विकल्पों को तरजीह दे रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा

रिपोर्ट में कहा गया है, म्यूचुअल फंड में कुल मिलाकर तो पैसा आ ही रहा है, लेकिन निवेशकों की पसंद बदल रही है। अब निवेशकों का रुझान छोटी और मझोली कंपनियों (स्मॉल और मिड-कैप) वाले फंडों की तरफ था, वहीं अब वो बड़ी कंपनियों (लार्ज-कैप) और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) जैसे विकल्पों को तरजीह दे रहे हैं। ये बदलाव फंड मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) के लेवल पर भी दिख रहा है। कुछ एएमसी में स्मॉल और मिड-कैप फंडों से पैसा निकल रहा है, जबकि कुछ में बड़े पैमाने पर पैसा जमा हो रहा है।

बदल रही पसंद

- रिपोर्ट के मुताबिक, इस बदलाव की एक वजह ये भी हो सकती है कि स्मॉल-कैप फंडों ने मिड-कैप फंडों के मुकाबले कम रिटर्न दिया है, जिससे निवेशक अब ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते।
- अलग-अलग फंडों की बात करें तो लार्ज-कैप फंडों में पैसा जमा करने की रफ्तार पहले कम थी, लेकिन अब बढ़ रही है।
- मिड-कैप फंडों में ये रफ्तार स्थिर थी, लेकिन अब बदलने के संकेत मिल रहे हैं। सबसे ज्यादा चिंता की बात स्मॉल-कैप फंडों को लेकर है। फरवरी 2021 के बाद पहली बार इन फंडों में नए खाते खुलने की संख्या घटी है, जो निवेशकों की घटती दिलचस्पी को दर्शाता है।
- मार्च 2024 में नए लार्ज-कैप फंडों में जबरदस्त उछाल आया है। ये दिसंबर 2021 के बाद से सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। इसके उलट, पिछले दो महीनों में नए मिड-कैप फंडों में गिरावट देखी गई है, हालांकि ये कमी स्मॉल-कैप की तुलना में कम है।
- शायद निवेशक मिड-कैप में अभी भी संभावनाएं देख रहे हैं, लेकिन थोड़ा इंतजार करना चाहते हैं।

यह भी गौर वाली बात

गौर करने वाली बात ये है कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजर भी अपनी रणनीति बदल रहे हैं। मार्च में बिकवाली के दौरान उन्हें निवेश के लिए नकदी का इस्तेमाल करने का मौका मिला। साथ ही, वो लगातार लार्ज-कैप शेयरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं, जो मार्च 2024 में अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 7.5% पर पहुंच गई है। ये कदम संकेत देते हैं कि स्मॉल-कैप फंड मैनेजर जोखिम कम करने की कोशिश कर रहे हैं।

म्युचुअल फंड की कई स्कीमों ने दिया 40% से 71% मुनाफा

रिटर्न देने में स्टॉक मार्केट को भी पीछे छोड़ा, एक साल में दिखे ऐसे कई लार्जकैप म्यूचुअल फंड, एसआईपी के जरिये निवेश कर हो सकते हैं मालामाल,लार्जकैप सेगमेंट में मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से टॉप 100 कंपनियां

मुनाफा
बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024 की बात करें तो बीते करीब 1 साल में ऐसे कई लार्जकैप म्यूचुअल फंड हैं, जिन्होंने रिटर्न देने के मामले में स्टॉक मार्केट को भी पीछे छोड़ दिया है। एक रिपोर्ट पर नजर डालें तो कम से कम 10 लार्जकैप फंड ऐसे दिख रहे हैं, जिनमें 1 साल के दौरान 40 फीसदी से 71 फीसदी तक रिटर्न मिला है। लार्ज-कैप फंड म्यूचुअल फंड की वह कैटेगरी है, जो लार्ज कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं। लार्जकैप म्यूचुअल फंड अलग अलग लार्जकैप स्टॉक के जरिए आपके पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड कर देते हैं। लार्जकैप सेगमेंट में आमतौर पर मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से टॉप 100 कंपनियां शामिल हैं। इनमें आरआईएल, टीसीएस, एचयूएल, एसबीआई, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयर मुख्यतः शामिल होते हैं।

एक सुरक्षित विकल्प

म्यूचुअल फंड में निवेश, सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश की तुलना में एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। वहीं, इन स्कीम में रिटर्न भी हाई है। कई स्कीम तो स्टॉक मार्केट की तरह ही रिटर्न दे रही हैं। इसी के चलते म्यूचुअल फंड निवेश का पॉपुलर विकल्प बन गया है। इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी स्टॉक मार्केट की तरह ही अलग-अलग कैटेगरी हैं। मसलन लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप फंड। जो निवेशक सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा रिटर्न की इच्छा रखते हैं, उनके लिए म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इक्विटी सेगमेंट में भी लार्जकैप म्यूचुअल फंड ज्यादा सुरक्षित माने जाते हैं। असल में लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार का उतार चढ़ाव का अच्छे से सामना करने की क्षमता होती है। इसलिए अक्सर निवेशकों में लार्ज कैप में निवेश करने की ललक दिखाई देती है, जो इन फंडों निवेश के लिए काफी सुगम बनाती है और निवेशकों को ये स्कमी ज्यादा आकर्षित करती है। क्योंकि लार्ज कैप फंड में निवेश काफी कम रिस्की होता है और बढ़िया रिटर्न भी मिलता है।

किसे करना चाहिए निवेश

अगर आप बाजार के उतार चढ़ाव को पसंद नहीं करते या ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता नहीं है, फिर भी इक्विटी की तरह ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो लार्ज-कैप फंड आपके लिए परफेक्ट विकल्प है। हालांकि ऐसा नहीं है कि लार्ज-कैप में रिस्क नहीं है या बाजार के वोलैटिलिटी का असर नहीं होता, लेकिन इनमें अस्थिरता मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में कम होती है। ये मिडकैप और स्मॉलकैप की तुलना में बाजार की अस्थिरता से मजबूती से निपट सकते हैं। असल में लार्जकैप फंड में अलग अलग सेक्टर की अलग अलग ब्लूचिप कंपनियों के स्टॉक होते हैं। इन ब्लूचिप का मार्केट कैप ज्यादा होता है और इनका बेस भी मजबूत होता है। ऐसी कंपनियां कैश रिच होती हैं।

इन्होंने किया कमाल

- आईसीआईसीआई प्रू भारत 22 एफओएफः 71%
- जेएम लार्जकैपः 48%
- निप्पॉन इंडिया लार्जकैप फंडः 47%
- डीएसपी निफ्टी 50 इक्वल वेट इंडेक्सः 45%
- आईसीआईसीआई प्रू ब्लूचिप फंडः 44%
- बड़ौदा बीएनपी परिबा लार्जकैपः 43%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैपः 43%
- एचडीएफसी टॉप 100ः 41%
- बंधन लार्जकैप फंडः 41%
- मिरे एसेट इक्विटी अलोकेटर एफओएफ : 40%

क्या हैं लार्ज कैप फंड

लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड इक्विटी फंड होते हैं जो मुख्य रूप से लार्ज-कैप कंपनी स्टॉक में निवेश करते हैं। ये वे प्रतिष्ठित कंपनियां हैं, जिनका संपत्ति बनाने का बेहतरीन रिकॉर्ड है। चूंकि इन कंपनियों की स्थापना पहले ही की जा चुकी है, इसलिए वे मिड और स्मॉल-कैप फंड स्कीम की अपेक्षा कम जोखिम लेकर स्थिर आय जनरेट करते हैं। कम जोखिम और लॉन्ग-टर्म निवेश होरिज़ोन पसंद करने वाले निवेशकों को लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड के बारे में जानना चाहिए। ये योजनाएं रिलायंस, टीसीएस, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और अन्य जैसी शीर्ष कंपनियों में पूंजी का एक महत्वपूर्ण भाग (लगभग 80 प्रतिशत) निवेश करती हैं। वे अपने विशिष्ट सेगमेंट में मार्केट लीडर हैं और वे मजबूत मार्केट लीडर हैं।

डेट फंड को भी कम न आंकें, ये भी दे सकते हैं मोटा मुनाफा

बढ़िया रिटर्न के लिए सिर्फ इक्विटी में पैसे न लगाए ■ डेट स्कीम को भी अपनाएं और निवेश का फायदा लें ■ निवेश की सही स्ट्रैटेजी क्या होनी चाहिए, रखें ध्यान ■ डेट फंड में एयूएम का 95 फीसदी से अधिक कॉर्पोरेट संस्थाओं से आता है ■ 90 फीसदी से अधिक इक्विटी एयूएम रिटेल और एचएनआई से आता है

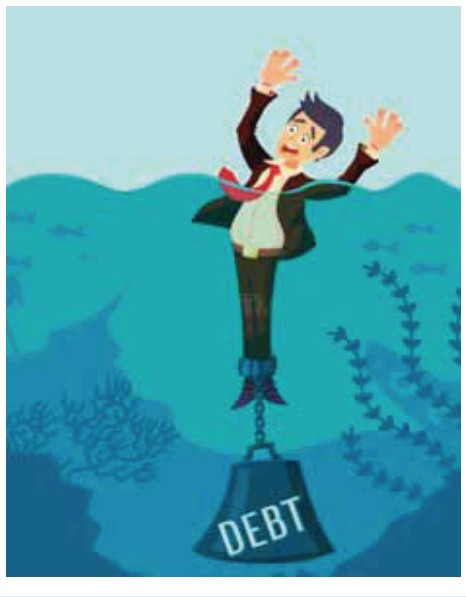

जानकारी
बिजनेस डेस्क

यदि आप भी निवेश की यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो थोड़ा सावधानी के साथ निवेश करें। निवेशक डेट म्यूचुअल फंड को कम न आंके, चूंकि ये फंड भी आपको मोटा मुनाफा करवा सकते हैं और आपके पैसे को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। इसलिए आपके पोर्टफोलियों में डेट फंड भी होने चाहिएं। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में अब तक ऐसा ट्रेंड देखने को मिलता आया है कि रिटेल निवेशक प्रमुख रूप से इक्विटी प्रोडक्ट में निवेश करते हैं, जबकि कॉर्पोरेट बड़े पैमाने पर डेट या फिक्स्ड इनकम वाले प्रोडक्ट में निवेश करते हैं। दिसंबर 2023 के एएमएफआई (एएमएफआई) आंकड़ों के अनुसार, डेट म्यूचुअल फंड में एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) का 95 फीसदी से अधिक कॉर्पोरेट संस्थाओं से आता है, जबकि 90 फीसदी से अधिक इक्विटी एयूएम रिटेल और एचएनआई निवेशकों की ओर से आता है। तो क्या आप भी रिटेल निवेशक हैं और सिर्फ इक्विटी स्कीम पर फोकस कर रहे हैं। अगर कर रहे हैं तो क्या यह स्ट्रैटेजी सही है।

निवेश की प्रक्रिया बेहद आसान

म्यूचुअल फंड में निवेश की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सरल और व्यवस्थित हो गई है। यहां तक कि लिक्विड फंड और ओवरनाइट फंड में 50,000 रुपये तक की निकासी कुछ ही सेकंड में की जा सकती है। सेविंग्स अकाउंट या लिक्विड और ओवरनाइट म्यूचुअल फंड के बीच रिटर्न के टैक्सेशन की दर में कोई अंतर नहीं है, क्योंकि दोनों मार्जिनल रेट पर टैक्सेबल हैं। ओवरनाइट फंड में भी कोई एक्जिट लोड नहीं होता है।

रिटेल निवेशकों की डेट में भागीदारी कम

सबसे पहले, अगर आप ओवरआल एफडी वॉल्यूम पर विचार करते हैं तो यह म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री से भी आगे निकल जाता है। इसके अलावा, अगर आप ईपीएफओ बैलेंस, पोस्ट ऑफिस की स्मॉल फाइनेंस स्कीम और इस तरह की अन्य विकल्पों को जोड़ते हैं तो यह साफ है कि रिटेल निवेशक फिक्स्ड इनकम वाले विकल्पों में निवेश करने पर ज्यादा विचार करते हैं। वहीं, रिटेल निवेशक वास्तव में डेट म्यूचुअल फंड में हिस्सा नहीं के बराबर लेते हैं। लिक्विड और ओवरनाइट फंड में रिटेल निवेश 55,000 करोड़ रुपये से भी कम है, जबकि इनकी तुलना में देश में करंट अकाउंट और सेविंग्स अकाउंट में 23 लाख करोड़ रुपये जमा हैं।

क्यों हैं डेट को लेकर कम आकर्षण

डेट फंड में रिटेल निवेशकों के बीच कम आकर्षण की एक वजह इसे लेकर जानकारी की कमी है। कई वित्तीय सलाहकार भी इन प्रोडक्ट पर कम मार्जिन के चलते ध्यान नहीं देते हैं। वहीं दूसरी ओर, कन्जर्वेटिव निवेशकों के लिए बैंक ब्रॉन्च या रिलेशनशिप मैनेजर की व्यक्तिगत सुविधा बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। क्योंकि खासतौर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए, किसी बैंक ब्रॉन्च में जाकर ब्रॉन्च मैनेजर के साथ बातचीत करके निवेश की सलाह लेना आसान होता है।

डेट फंड में कई फायदे

दूसरा, एक कैटेगरी के रूप में, डेट म्यूचुअल फंड निवेशकों को कई तरह के महत्वपूर्ण बेनेफिट प्रदान करते हैं, चाहे वे रिटेल निवेशक हों या कॉर्पोरेट। आज, रिटेल निवेशक आमतौर पर अपना पैसा सेविंग्स अकाउंट में रखते हैं, जिस पर सालाना 3-4 फीसदी के बीच में आय होती है। हालांकि, म्यूचुअल फंड निवेश के लिए कई तरह के विकल्प पेश करते हैं, जिनमें निवेशकों को बेहतर रिटर्न देने की क्षमता होती है। ये 6 से 6.5 फीसदी या इससे भी ज्यादा सालाना रिटर्न दे सकते हैं। तुरंत लिक्विडिटी के उद्देश्य के लिए ओवरनाइट फंड हैं। वहीं लिक्विड फंड ऐसी स्कीम है, जिसकी मैच्योरिटी 3 महीने की होती है। मनी मार्केट फंड हैं जो आपको 12 महीने के लिए पैसा निवेश करने में मदद करते हैं।

कॉरपोरेट्स और ट्रेजरी

इन प्रोडक्ट का उपयोग कॉरपोरेट्स और ट्रेजरी द्वारा अपने सरप्लस फंड को निवेश करने के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है। कॉरपोरेट ट्रेजरी शायद ही कभी अपना पैसा सेविंग्स अकाउंट में रखते हैं. ऐसे में सवाल है कि रिटेल निवेशकों को अपने पैसे पर बेहतर रिटर्न पाने के लिए इन फंडों का उपयोग क्यों नहीं करना चाहिए? साफतौर पर ऐसे कुछ कारण हैं, जिनकी वजह से आज यह आदर्श विकल्प बन गया है।

चेक करें फायदा और नुकसान

बहुत से निवेशक ऐसे हैं जो अपना एक बड़ा फंड बैंक में लंबे समय तक सेविंग्स अकाउंट में रखते हैं। उस पर चाहे जो भी रिटर्न मिले, वह ध्यासन नहीं देते हैं। आप खुद इसका नुकसान चेक कर सकते हैं। जब आप अगली बार अपने बैंक खाते की डिटेल जांचें, तो देखें कि पिछले 12 महीनों में आपके पास हर महीने (अपने सभी खर्चों और ईएमआई का भुगतान करने के बाद) कितना अतिरिक्त पैसा था। फिर इस सरप्लस फंड को लिक्विड फंड में लगाने से आपको जो अतिरिक्त रिटर्न मिलता, उसे कैलकुलेट करें। एक एवरेज रिटर्न के रूप में, आप कैलकुलेशन के लिए 6.5 फीसदी का उपयोग कर सकते हैं, क्योंकि लिक्विड फंड ने पिछले साल में करीब इतना रिटर्न दिया है। इसकी तुलना आपके बैंक द्वारा आपके बचत खाते पर दी जाने वाली ब्याज दर से करें। आप खुद दोनों के बीच अंतर को देखकर चौंक जाएंगे कि आप सरप्लस पैसा लिक्विड फंड में निवेश करते तो कितना अतिरिक्त पैसा कमा सकते थे। आरबीआई के अनुसार, दिसंबर 2023 तक, एक अनुमान के अनुसार, भारत में करंट अकाउंट और बचत खातों में लगभग 23 लाख करोड़ रुपये जमा हैं, यानी निवेशक हर साल लगभग 60,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त रिटर्न क्षमता पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

तीरंदाजी वर्ल्ड कप : ज्योति की स्वर्णिम हैट्रिक, भारत ने कंपाउंड वर्ग में जीते पांच पदक

एजेंसी ▶▶| शंघाई

एशियाई खेलों की चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम ने शानदार प्रदर्शन किया। ज्योति ने शनिवार को यहां शंघाई में चल रहे तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक बनाई। इससे कंपाउंड तीरंदाजों ने पांच पदक जीते। दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी ज्योति ने सत्र के शुरुआती वैश्विक टूर्नामेंट में मेक्सिकों की शीर्ष वरीय आंद्रिया बेसेरा को शूट-ऑफ में 146=146 (9*-9) से हराकर यह उपलब्धि हासिल की जिससे वह तीन बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी के बाद एक विश्व कप में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बनीं।

पूर्व नंबर एक तीरंदाज दीपिका ने जून 2021 में पेरिस विश्व कप के तीसरे चरण में यह कारनामा किया था। ज्योति ने इस तरह पिछले साल हांगझोऊ एशियाड की उपलब्धि की बराबरी की जिसमें विजयवाड़ा की 27 वर्षीय तीरंदाज ने व्यक्तिगत, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक की हैट्रिक लगाई थी।

व्यक्तिगत, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता सोना

महिला टीम ने इटली को 236-225 से हराया

सुबह के सत्र में भारत ने गैर-ओलंपिक कंपाउंड तीरंदाजी में अपना दबदबा बनाते हुए टीम स्पर्धाओं में क्लीन स्वीप करते हुए स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई तथा पुरुष टीम, महिला टीम और मिश्रित टीम स्पर्धा जीतीं। इनमें से दो में ज्योति टीम का हिस्सा रहीं। ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की तिकड़ी ने महिला कंपाउंड टीम स्पर्धा ने इटली को 236-225 से हराया। भारतीय तिकड़ी ने 24 तीरों में सिर्फ चार अंक गंवाए और छठी वरीयता प्राप्त इटली को बड़े अंतर से हराकर स्वर्ण पदक से खाता खोला।

अभिषेक, प्रियांश, प्रथमेश की शानदार जीत

पुरुष टीम में अभिषेक वर्मा, प्रियांश और प्रथमेश एफ ने नीदरलैंड को 238-231 से मात दी। नीदरलैंड की टीम में माइक शोलेसर, सिल पीटर और स्टेफ विलेम्स थे। इसके बाद भारत की मिश्रित टीम ने कंपाउंड वर्ग में तीसरा स्वर्ण पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया। दूसरी वरीयता प्राप्त ज्योति और अभिषेक की जोड़ी ने एस्तोनिया की लिसेल जात्मा और रोबिन जात्मा की मिश्रित जोड़ी को रोमांचक मुकाबले में 158-157 से मात दी।

रिकर्व वर्ग में पदक राउंड आज

रिकर्व वर्ग में पदक राउंड रविवार को होंगे और भारत की निगाहें ओलंपिक वर्ग में दो स्वर्ण पदक जीतने पर लगी होंगी। भारतीय पुरुष टीम स्वर्ण पदक मुकाबले में ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी। दीपिका कुमारी व्यक्तिगत पदक की दौड़ में हैं और महिला रिकर्व वर्ग में दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपना सेमीफाइनल खेलेंगी।

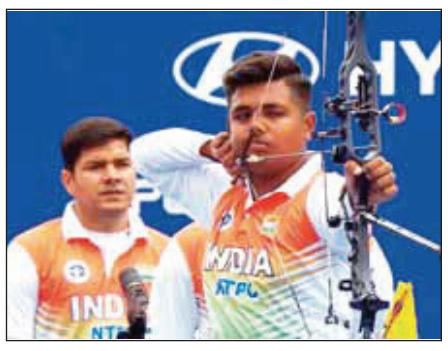

प्रियांश ने जीता रजत पदक

युवा प्रियांश ने पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में रजत के रूप में अपना पहला विश्व कप पदक जीता। अपने दूसरे विश्व कप में 21 वर्षीय तीरंदाज ने 2021 के विश्व चैंपियन निको वीनर से हारकर दूसरा स्थान हासिल किया। आस्ट्रिया के 27 साल के तीरंदाज ने 150 में से 150 अंक हासिल कर बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया और प्रियांश को तीन अंक से हरा दिया।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	8	7	1	14
कोलकाता	8	5	3	10
हैदराबाद	8	5	3	10
लखनऊ	8	5	3	10
दिल्ली	10	5	5	10
चेन्नई	8	4	3	8
गुजरात	9	4	5	8
पंजाब	9	3	6	6
मुंबई	9	3	6	6
बेंगलोर	9	2	7	4

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
430 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
14 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

1354 चौके

805 छक्के

खबर संक्षेप

बल्लेबाजों से निपटने तरीके इजाद करें गेंदबाज

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के सहायक कोच रेयान टेन डोशचेट का मानना है कि मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग में विस्फोटक बल्लेबाजों को चुनौती देने के लिए गेंदबाजों को नए तरीके इजाद की जरूरत है। डोशचेट ने कहा, '10 साल पहले की तुलना की जाए तो यह खेल पूरी तरह से बदल गया है। आपको बल्लेबाजों को 'ऑफ गार्ड' करने की जरूरत होगी जैसा कि सैम करन ने फिल साल्ट को आउट करके किया। गेंदबाजों को नए तरीके इजाद करने होंगे। हर गेंद को बदल बदल कर डालना होगा। आप दो गेंद एक तरह की नहीं फेंक सकते।'

वनडे श्रृंखला की सफलता से प्रेरणा लेने की योजना

सिलहट। बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने कहा कि रविवार से यहां भारत के खिलाफ शुरू हो रही महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अच्छे प्रदर्शन के लिए वे पिछले साल मेहमान टीम के खिलाफ वनडे श्रृंखला की सफलता से प्रेरणा लेना चाहेंगे।

बांग्लादेश की महिला टीम भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला खेलेगी जिसके सभी मैच यहां सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जायेंगे। भारत ने पिछले साल सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए बांग्लादेश का दौरा किया था।

पंत विश्व कप के लिए एकमात्र विकेटकीपर

नई दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में ऋषभ पंत को एकमात्र विकेटकीपर के रूप में चुना है जबकि वह बायें हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल को आक्रमण में एक नया आयाम जोड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की जिम्मेदारी सौंपना चाहते हैं। जहीर का सबसे दिलचस्प चयन 26 वर्षीय दयाल का रहा जो घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश और इंडियन प्रीमियर लीगमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का प्रतिनिधित्व करते हैं।

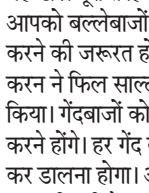

आईपीएल: कैपिटल्स की प्लेआफ की दौड़ के लिए दावा मजबूत

मैकगुर्क ने 27 गेंद में ठोके 84 रन दिल्ली की मुंबई पर शानदार जीत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जैक फ्रेसर मैकगुर्क की 27 गेंद में 84 रन की आतिशी पारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को 10 रन से हराकर प्लेआफ की दौड़ के लिए अपना दावा मजबूत कर लिया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजी गई दिल्ली ने चार विकेट पर 257 रन बनाए जिसमें मैकगुर्क के अलावा ट्रिस्टन स्टब्स ने 25 गेंद में नाबाद 48 रन जड़े। जवाब में पांच बार की चैंपियन मुंबई टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 247 रन ही बना सकी।

पिछले पांच मैचो में चौथी जीत के बाद दिल्ली अंकतालिका में दस मैचों में दस अंक के साथ पांचवें स्थान पर है जबकि मुंबई इंडियंस नौ मैचों में छह अंक लेकर नौवे स्थान पर है। दिल्ली को आस्ट्रेलिया के 22 वर्ष के बल्लेबाज मैकगुर्क ने बेहतरीन शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए अभिषेक पोरेल के साथ 44 गेंद में 114 रन जोड़े। उन्होंने आईपीएल में इस सत्र में सबसे तेज अर्धशतक के अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए सिर्फ 15 गेंद में पचासा जड़ा। इससे पहले उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम पर ही 15 गेंद में अर्धशतक बनाया था। मैकगुर्क 27 गेंद में 11 चौकों और छह छक्कों की मदद से 84 रन बनाकर आउट हुए। दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स ने आखिरी ओवरों में ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए सिर्फ 25 गेंद में नाबाद 48 रन बनाए।

तिलक की फिफ्टी

मुंबई से तिलक वर्मा ने 63, हार्दिक पंड्या ने 46 और टिम डेविड ने 37 रन बनाए। सूर्यकुमार यादव 26 और ईशान किशान 20 रन बनाकर आउट हुए। दिल्ली से रसिख सलाम और मुकेश कुमार ने 3-3 विकेट लिए। 2 सफलताएं खलील अहमद को भी मिलीं।

आखिरी ओवर में नहीं बने 25 रन

मुंबई इंडियंस को आखिरी ओवर में जीत के लिए 25 रन चाहिए थे। पहली बॉल पर तिलक वर्मा 2 रन लेने की कोशिश में रन आउट हो गए। दूसरी बॉल पर 2 रन बने, तीसरी बॉल पर ल्यूक वुड ने छक्का लगा दिया। चौथी बॉल पर एक रन बना, पांचवीं बॉल पर पीयूष चावला ने चौका लगाया। आखिरी बॉल पर 11 रन चाहिए थे लेकिन चावला लॉन्ग ऑन पर कैच हो गए।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
मैकगुर्क का नबी बो चावला	84	27	11	6
अभिषेक पोरेल का ईशान बो नबी	36	27	3	1
शाई होप का वर्मा बो वुड	41	17	0	5
ऋषभ पंत का रोहित बो बुमराह	29	19	2	2
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	48	25	6	2
अक्षर पटेल नाबाद	11	06	0	1

अतिरिक्त : 08, कुल : 20 ओवर में 257/4
गेंदबाजी : वुड 4-0-68-1, बुमराह 4-0-35-1, तुषारा 4-0-56-0, चावला 4-0-36-1, पंड्या 2-0-41-0, नबी 2-0-20-1.

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
किशन का अक्षर बो मुकेश	20	14	4	0
रोहित का होप बो खलील	08	08	1	0
सूर्यकुमार का विलियम्स बो खलील	26	13	3	2
तिलक वर्मा रन आउट	63	32	4	4
पंड्या का मुकेश बो सलाम	46	24	4	3
नेहान वढ़ेरा का पंत बो सलाम	04	02	1	0
टिम डेविड पगबाधा मुकेश	37	17	2	3
नबी का होप बो सलाम	07	04	0	1
चावला का होप बो मुकेश	10	04	1	1
ल्यूक वुड नाबाद	09	03	0	1

अतिरिक्त : 17, कुल : 20 ओवर में 247/9
गेंदबाजी : विलियम्स 3-0-34-0, खलील 4-0-45-2, मुकेश 4-0-59-3, कुलदीप 3-0-47-0, अक्षर 2-0-24-0, सलाम 4-0-34-3.

खास खबर

ओलंपिक ट्रायल : चीमा, ईशा, दिव्यांश और इलावेनिल जीते

नई दिल्ली। अर्जुन सिंह चीमा, ईशा सिंह, दिव्यांश सिंह पंवार और इलावेनिल वलरिवान ने शनिवार को यहां राइफल/पिस्टल में ओलंपिक चयन ट्रायल एक और दो के आखिरी दिन अपनी-अपनी स्पर्धाएं जीतीं। चीमा ने दिन का पहला फाइनल (टी2 में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल) जीता, उसके बाद टी2 में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में ईशा ने जीता। दिव्यांश ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल का खिताब जीता और एलावेनिल ने क्लिफ-हैंगर में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल का फाइनल जीता। ओएसटी के लिए क्वालीफाई करने वाले 37 निशानेबाजों में से अभी किसी का भी ओलंपिक टिकट पक्का नहीं है क्योंकि सभी निशानेबाजों को अगले महीने भोपाल में होने वाले अंतिम दो ट्रायल में भाग लेना है। चीमा ने फाइनल में 244.6 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की। रविंद्र ट्रायल में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और 242.4 के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि वरुण तोमर तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं की एयर पिस्टल में ईशा ने रिदम से 3.1 अंक आगे रहकर 244.9 के अंतिम स्कोर के साथ जीत दर्ज की। पलक तीसरे जबकि सुरभि राव और मनु भाकर क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं।

सेंथिलकुमार ने अंतिम चार में बनाई जगह

नई दिल्ली। राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार ने पेरिस में चेक गणराज्य के जैकब सोलनिकी को हराकर बैच ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष वरीय और विश्व रैंकिंग में 58वें स्थान पर काबिज सेंथिलकुमार ने शुक्रवार रात 12,000 अमेरिकी डॉलर के पीएसए चैलेंजर टूर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पांचवें वरीय चेक गणराज्य के खिलाड़ी को 37 मिनट में 11-5, 11-6, 11-2 से हरा दिया। अब सेमीफाइनल में उनकी भिड़ंत हांगकांग के एंडीज लिंग से होगी।

उबेर कप : चालिहा ने किया उलटफेर भारत ने कनाडा को 4-1 से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| चेंगडू

अश्मिता चालिहा ने अपने से ऊंची रैंकिंग की खिलाड़ी मिशेल लि को हराकर उलटफेर किया जिससे भारतीय महिला टीम ने शनिवार को यहां उबेर कप टूर्नामेंट में कनाडा पर 4-1 से जीत से सकारात्मक शुरुआत की।

रैंकिंग में 53वें स्थान पर काबिज चालिहा ने मानसिक मजबूती और जज्बे का शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी लि को शुरुआती एकल मुकाबले में 42 मिनट में 26-24, 24-22 से मात दी। पिछले दिसंबर में सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली प्रिया कोन्जेंगबाम और श्रुति मिश्रा की युवा महिला युगल जोड़ी ने कैथरीन चोई और जेसलिन चाउ को 21-12, 21-10 से हराकर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। इशारानी बरुआ ने वेन यू झांग को 21-13, 21-12 से हराकर भारत को 3-0 की अजेय बढ़त दिलाने में मदद की। दूसरे महिला युगल में सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर को कनाडा की जैकी डेंट और क्रिस्टल से 19-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। इससे बाद राष्ट्रीय चैंपियन अनमोल खरब ने पांचवें और अंतिम मैच में एलियाना झांग को 21-15, 21-11 से हराकर आसान जीत हासिल की।

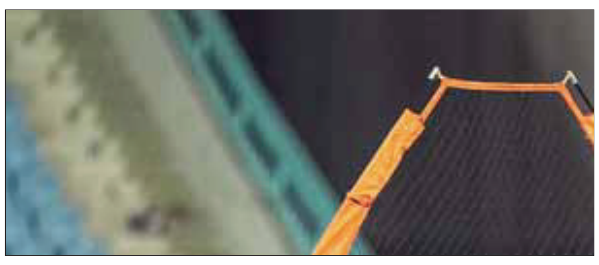

पाकिस्तान अगले साल करेगा न्यूजीलैंड का दौरा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की है कि उसकी राष्ट्रीय टीम अगले साल तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। यह 2023 के बाद से दोनों देशों के बीच छठी श्रृंखला होगी। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी अधिकार स्कॉट वेनिंक के बीच लाहौर में चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के मौके पर हुई बैठक के दौरान अंतिम रूप दिया गया। बैठक के दौरान सैद्धांतिक रूप से यह दौरा 2025 चैम्पियंस ट्राफी के बाद आयोजित करने का फैसला किया गया।

स्वियाटेक मैड्रिड ओपन के प्री-क्वार्टर में

मैड्रिड। शीर्ष रैंकिंग की महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने शनिवार को सोराना क्रिस्टिया को 6-1, 6-1 से हराकर मैड्रिड ओपन के अंतिम-16 में आसानी से अपनी जगह बना ली। पिछले साल फाइनल में आर्यना सबालेंका से हारने वाली स्वियाटेक ने इस सत्र में अपनी जीत-हार का रिकॉर्ड सुधारकर 26-4 कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए वह सोमवार को विक्टोरिया अजारेंका या सारा सोरिब्स टोर्मो से भिड़ेंगी।

सीएसके आठ मैच में चार जीत चार हार से तालिका में 5वें स्थान पर

हैदराबाद के खिलाफ जीत के लिए बेताब होगी चेन्नई

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

लगातार हार का सामना करने वाली गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मजबूत सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की राह पर लौटने के लिए बेताब होगी। नए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की अगुआई में सत्र में अच्छी शुरुआत करने वाली सीएसके को पिछले दो मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स ने दो बार हराया है।

सीएसके को अपने ही मैदान चेपक स्टेडियम में हारते हुए देखना बहुत ही विरले होता है लेकिन मार्कस स्टोइनिस के शानदार शतक की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने 210 का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। सीएसके आठ मैच में चार जीत और इतनी ही हार से तालिका में पांचवें स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के भी आठ अंक हैं।

सीएसके वापसी के लिए बेताब

सीएसके अपनी लय में वापसी के लिए बेताब होगी क्योंकि अब प्लेऑफ की दौड़ तेज हो जाएगी। सीएसके रविवार को तीसरे नंबर पर चल रही सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी जिसने इस सत्र में दो बार आईपीएल के उच्चतम स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ा है। लेकिन पिछले मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद की बात की जाए तो आत्मविश्वास से भरी टीम को गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर से घरेलू मैदान पर सत्र की तीसरी हार झेलनी पड़ी। हालांकि इससे उसके बल्लेबाजों की लय में रुकावट नहीं होगी और वे सीएसके के खिलाफ मिले हर मौके का फायदा उठाना चाहेंगे।

आरसीबी के खिलाफ टाइटन्स की निगाहें सुधार करने पर

अहमदाबाद। गुजरात जायंट्स को अपने प्रदर्शन में काफी सुधार की जरूरत है और रविवार को यहां होने वाले आईपीएल मैच में उसे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के मध्यक्रम की आक्रामकता से सतर्क रहना होगा। गुजरात की टीम नौ मैच में आठ अंक के साथ तालिका में सातवें स्थान पर काबिज है। अगर उसे चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स से आगे पहुंचना है तो उसे जीत हासिल करनी होगी। इन दोनों टीम के भी आठ अंक हैं। गुजरात जायंट्स को अपने तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन में सुधार की दरकार है। इस पूरे आईपीएल में उनकी तेज गेंदबाजी इकाई काफी कमजोर रही है।

आदर्श और मानसी बने दक्षिण एशियाई ट्रायथलॉन चैंपियन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय एथलीट आदर्श मुरलीधरन नायर सिनिमोल (01:02:03) और मानसी मोहिते (01:07.53) शनिवार को नेपाल के पोखारा में एशियाई ट्रायथलॉन चैम्पियनशिप में क्रमशः पुरुष और महिला चैम्पियन बने। कौशिक विनायक मलंदकर (01:03:26) क्षेत्रीय चैम्पियनशिप में हमवतन सिनिमोल के बाद दूसरे स्थान पर रहे। वहीं साई लोहिताक्ष केडी (01:07:20) और कृषिव पटेल (01:07:23) दक्षिण एशियाई पुरुष जूनियर वर्ग में शीर्ष दो स्थान हासिल करने में सफल रहे।

दक्षिण एशियाई महिला जूनियर वर्ग में दुर्विशा पवार (01:11:55) और प्रेरणा श्रवण कुमार (01:14:57) क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहीं।

उत्तराखंड में 4 दिन से धधक रहे जंगल, 11 जिलों में 1780 एकड़ जंगल प्रभावित

देहरादून। गर्मी शुरू होते ही उत्तराखंड के जंगलों में आग लगने की घटनाएं अचानक बढ़ गई हैं। सबसे ज्यादा असर गढ़वाल और कुमाऊ मंडल के 11 जिलों में है। गढ़वाल मंडल में पौड़ी, रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी, देहरादून और कुमाऊ मंडल में नैनीताल, बागेश्वर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और चंपावत जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। नैनीताल के भीमताल से सटे जंगलों में पिछले 4 दिनों से लगी आग शुक्रवार को खतरनाक हो गई। लपटें नैनीताल हाईकोर्ट कॉलोनी और आर्मी एरिया से कुछ दूर तक पहुंच गईं। अभी इलाका खाली नहीं कराया गया है।

नैनीताल के जंगल की आग आईएएफ स्टेशन के पास पहुंची

हलद्वानी जिले के नैनीताल में लगी आग अब वायुसेना स्टेशन तक पहुंच चुकी है। आग के तेजी से फैलाव को देखते हुए वन विभाग की मदद के लिए भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और भारतीय सेना को बुलाया गया है। आग बुझाने के काम में हेलीकॉप्टरों को लगाया है, स्थिति पर काबू पाने का प्रयास 36 घंटे से अधिक समय से चल रहा है। इस दौरान कई हेक्टेयर जंगल खाक हो चुका है।

सीएम धामी बोले- जंगल की आग एक चुनौती

नैनीताल में लगी आग को लेकर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा, जंगल की आग हमारे लिए एक चुनौती है। ये बहुत बड़ी आग है। हमने सेना से मदद मांगी है। सरकार ने आग पर काबू पाने के लिए कदम उठाए हैं। मैं आज हलद्वानी में एक बैठक करने जा रहा हूं। हमने इस संबंध में देहरादून में भी एक बैठक की है। आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं।

आर्मी एरिया के करीब पहुंची आग, सेना अलर्ट

गढ़वाल और कुमाऊ मंडल में आग का असर सबसे ज्यादा

आग बुझाने के लिए एनआई-17 हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल

मुख्यमंत्री ने बुलाई हाईलेवल बैठक

नैनी झील में नौकायन गतिविधियों पर रोक

आग से नुकसान और असर

- 720 हेक्टेयर जंगल को नुकसान, यह आंकड़ा और बढ़ेगा
- कुमाऊं मंडल सबसे ज्यादा प्रभावित
- दो लोग घायल, 15 करोड़ रुपए का नुकसान
- जानवर रिहायशी इलाकों में भाग रहे
- धुएं से लोगों को सांस लेने में परेशानी

26 घटनाएं कुमाऊं क्षेत्र में

- 5 घटनाएं गढ़वाल क्षेत्र में
- 33.34 हेक्टेयर वन क्षेत्र प्रभावित
- 3700 कर्मचारियों को आग बुझाने लगाया

श्रीलंका सरकार के इस फैसले से चीन हैरान

इसका कंट्रोल भारत को मिला | श्रीलंका में चीन ने करोड़ों डॉलर से बनवाया एयरपोर्ट

एजेंसी ▶▶ कोलंबो

श्रीलंका में भारत और चीन के बीच प्रतिद्वंदिता लगातार जारी है। दोनों ही देश एक-दूसरे के हाथ से प्रोजेक्ट छीनने की फिराक में लगे रहते हैं, क्योंकि श्रीलंका में जिसके हाथों में ज्यादा प्रोजेक्ट रहेगा, हिंद महासागर में उसके पास उतनी ज्यादा बढ़त हासिल होगी।

श्रीलंका में जिस मटाला राजपक्षे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को चीन ने 209 मिलियन डॉलर की लागत से बनवाया था, उस एयरपोर्ट के मैनेजमेंट की जिम्मेदारी भारत और रूस की कंपनी को अगले 30 सालों के लिए मिला गया है। सरकार के इस फैसले ने ड्रैगन के पैरों तले जमीन छीन ली है। श्रीलंकन कैबिनेट के एक बयान में शुक्रवार को कहा गया है, कि सरकार ने मटाला राजपक्षे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का मैनेजमेंट भारत को सौंपने को मंजूरी दे दी है। इसका मकसद श्रीलंका सरकार की अपने सरकारी उद्यमों से घाटे को कम करने की कोशिश है।

हवाई अड्डे का 2013 में हुआ था उद्घाटन

इस हवाई अड्डे का साल 2013 में उद्घाटन किया गया था। इस एयरपोर्ट का निर्माण विवादों में इसलिए घिर गया, क्योंकि इस एयरपोर्ट पर काफी कम कारोबार हो पाया। यहां काफी कम यात्री होने की वजह से लगातार उड़ानों की संख्या कम होने लगी और ये एयरपोर्ट पर्यावरण के लिहाज से भी काफी संवेदनशील साबित हो रहा है। बता दें, श्रीलंका, दर्जनों राज्य स्वामित्व वाली कंपनियों के ऊपर जो ऋण है और उसके जो घाटे हैं, उसे कम करने के लिए काम कर रहा है। वहीं, भारत ने संकटग्रस्त श्रीलंका को 2022 में 4 अरब डॉलर से ज्यादा की मानवीय मदद दी है, जिससे द्वीप देश संकट से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है और धीरे धीरे पटरी पर लौट रहा है।

राजपक्षे ने अपने गृहनगर में बनवाया एयरपोर्ट

एयरपोर्ट के निर्माण पर सवाल उठे और कई एक्सपर्ट ने कहा कि इस एयरपोर्ट से चीन ने श्रीलंका को एक और कर्ज के जाल में फंसाया है। राजपक्षे परिवार ने ये हवाई अड्डा अपने गृह नगर में बनवाया है, जहां जरूरत ही नहीं थी। हवाईअड्डे का प्रबंधन भारत की शौर्य एयरोनॉटिक्स लिमि. और रूस की एयरपोर्ट्स ऑफ रीजन्स मैनेजमेंट कंपनी को 30 साल के लिए सौंपा जाएगा।

कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक

भारत के रक्षा सचिव ने आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस दृष्टिकोण अपनाने का किया आह्वान

एजेंसी ▶▶ अस्ताना

कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई। इसमें भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया।

भारत के रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने 26 अप्रैल को कजाकिस्तान के अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में रक्षा सचिव ने एससीओ क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने एससीओ सदस्य देशों की समृद्धि और विकास के लिए आतंकवाद के सभी रूपों के प्रति ज़ीरो-टॉलरेंस दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक के दौरान सभी एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों द्वारा एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए गए। बैठक के उपरांत संयुक्त बयान में एससीओ के रक्षा मंत्रियों ने अन्य पहलों के अलावा, 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के विचार को विकसित करने पर सहमति व्यक्त की।

- 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के विचार पर सभी ने दी सहमति
- अभिव्यक्तियों के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता का रुख अपनाने की अनिवार्यता
- सभी एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों द्वारा एक प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए
- हिंद-प्रशांत के लिए सुरक्षा और विकास की अवधारणा पर भी प्रकाश डाला

सुरक्षा और समृद्धि के माहौल को बढ़ावा दें

रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने आतंकवाद की सभी अभिव्यक्तियों के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता का रुख अपनाने की अनिवार्यता पर जोर दिया और इसे एससीओ सदस्य देशों की समृद्धि और विकास के लिए एक महत्वपूर्ण शर्त के रूप में मान्यता दी। समग्र दृष्टिकोण का उद्देश्य न केवल एससीओ ढांचे के भीतर बल्कि व्यापक भू-राजनीतिक परिदृश्य में सुरक्षा और समृद्धि के माहौल को बढ़ावा देना है। यह वार्षिक बैठक 25-26 अप्रैल तक अस्ताना में आयोजित की गई थी।

भारत के प्रस्ताव का किया गया उल्लेख

उल्लेखनीय है कि रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ व्यापक सम्मेलन के भारत के लंबे समय से चले आ रहे प्रस्ताव का उल्लेख किया। इसके अलावा उन्होंने हिंद-प्रशांत के लिए भारत द्वारा प्रस्तावित 'क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर-एसएजीएआर)' की अवधारणा पर भी प्रकाश डाला।

कंबोज बोलीं- डिजिटल ढांचे से भारत में 80% लोगों तक पहुंची वित्तीय सुविधाएं

न्यूयॉर्क। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर बोलते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत ने 6 वर्षों में 80% लोगों तक वित्तीय सुविधाएं पहुंचाई हैं। ऐसे डिजिटल बुनियादी ढांचे के बिना इस उपलब्धि में दशकों लगते। सुरक्षा परिषद में उन्होंने कहा कि भारत की यात्रा डिजिटल परिवर्तनों की शुरुआत करने वाले अन्य देशों को एक सबक प्रदान करती है। कंबोज ने कहा कि हम आज यहां भारत में अरबों लोगों के सशक्तिकरण का जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए हैं।

खबर संक्षेप

सैन्य अड्डे पर विस्फोट से 20 सैनिकों की मौत

नोम पेन्ह। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने कहा है कि शनिवार दोपहर को देश के पश्चिमी हिस्से में एक सैन्य अड्डे पर आयुध सामग्री में विस्फोट से 20 सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। मानेट ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि कम्पोंग स्पू प्रांत में सैन्य अड्डे पर विस्फोट के बारे में जानकर उन्हें 'गहरा झटका' लगा है। विस्फोट किस कारण से हुआ, फिलहाल इसकी वजह स्पष्ट नहीं है। पीएम मानेट भी विस्फोट का कारण नहीं बता पाए।

अमेरिका में दुर्घटना में 3 महिलाओं की मौत

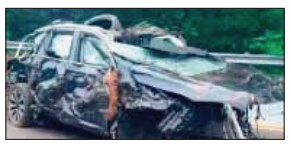

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राज्य दक्षिण कैरोलिना में एक सड़क दुर्घटना में कथित तौर पर 3 भारतीय महिलाओं की मौत हो गई। चालक ने तेज रफ्तार कार पर नियंत्रण खो दिया और वह हवा में लगभग 20 फुट उछलकर पेड़ों से टकरा गई। दुर्घटना में मरने वाली तीनों महिलाएं गुजरात के आणंद जिले की रहने वाली थीं। उनकी पहचान रेखाबेन पटेल, संगीताबेन पटेल और मनीषाबेन पटेल के रूप में की गई।

लाल सागर में मिसाइल से बनाया निशाना

हूती विद्रोहियों ने फिर भारत आ रहे जहाज पर किया हमला

इसलिए बना रहे जहाजों को निशाना

ईरान समर्थित हूती विद्रोही इजराइल-हमास युद्ध के बाद से ही लाल सागर और अदन की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बना रहे हैं। हूती विद्रोही फलस्तीन के समर्थन में ऐसा कर रहे हैं और पहले हूती विद्रोहियों के निशाने पर इजराइल से संबंधित जहाज ही होते थे।

एजेंसी ▶▶ लंदन

यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से भारत आ रहे जहाज पर मिसाइल से हमला किया। ब्रिटेन की मेरीटाइम सिक्योरिटी फर्म एंब्रे ने बताया है कि हमले के चलते जहाज को नुकसान हुआ है। जिस जहाज पर हमला हुआ, उस पर पनामा का झंडा लगा है, लेकिन जहाज का स्वामित्व ब्रिटिश कंपनी के पास है।

ब्लिंकन बोले- रूस को उपकरण दे रहा चीन इनका हो रहा निदोष लोगों को मारने में इस्तेमाल

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन तीन दिन के बीजिंग दौरे पर हैं। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ रूस के आक्रमकता को ताकत देने वाले चीनी उपकरणों के बारे में अमेरिका की गंभीर चिंताओं को दोहराया। उन्होंने कहा कि चीन मशीन टूल्स, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स और नाइट्रोसेल्यूलोज का शीर्ष आपूर्ति करता है, जिसका इस्तेमाल मॉस्को अपने रक्षा औद्योगिक आधार को बढ़ाने के लिए कर रहा है। इनका इस्तेमाल गोला-बारूद और रॉकेट प्रणोदक को बनाने के लिए किया जाता है। पुतिन इस रक्षा औद्योगिक आधार का इस्तेमाल नागरिक बुनियादी ढांचे को नष्ट करने, निर्दोष बच्चों-महिलाओं और पुरुषों को मारने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

मावली जंक्शन-खामली घाट मीटर गेज रेलमार्ग बना इतिहास

जयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के तहत राजस्थान के उदयपुर जिले में आने वाली आखिरी छोटी रेलवे लाइन जो मावली जंक्शन और खामली घाट के बीच है। उसे अब बंद कर दिया गया है। यहां ब्रॉडगेज का काम शुरू किया जा चुका है। यादगार के तौर पर राजस्थान के हेरिटेज को संभालते हुए मीटर गेज के थोड़े हिस्से को यादगार के तौर पर हमेशा के लिए छोड़ दिया है। ये हिस्सा मारवाड़ से देवगढ़ मदरिया के बीच आता है।

असम राइफल्स और पुलिस को मिली बड़ी सफलता, एक गिरफ्तार

छापा: साबुन के डिब्बों में रखी मिली 8.4 करोड़ की हेरोइन

एजेंसी ▶▶ आइजोल

मिजोरम की राजधानी आइजोल में म्यांमार के रहने वाले 49 साल के एक शख्स को स्मगलिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। शख्स के कब्जे से 8.4 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की गई है। असम राइफल्स ने कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस की एक संयुक्त टीम ने गुरुवार को आइजोल के तुइकुआल उत्तरी इलाके में छापेमारी की और म्यांमार के तमू शहर के निवासी वनबियाख्निंग से 1.2 किलोग्राम हेरोइन जब्त की।

110 साबुन के डिब्बों में छिपाया था मादक पदार्थ

8.4 करोड़ रुपए मूल्य का प्रतिबंधित मादक पदार्थ 110 साबुन के डिब्बों में छुपाया गया था। बता दें कि मिजोरम में लगातार मादक पदार्थों की धरपकड़ होती रही है। कुछ दिन पहले ही मिजोरम के चंपई जिले में 30.10 लाख रुपए की हेरोइन जब्त की गई थी। असम राइफल्स ने राज्य पुलिस के सहयोग से भारत-म्यांमार सीमा के निकट जोटे गांव में एक ऑपरेशन चलाया था।

कद्दू में भी छिपाकर लाए

असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस ने गुरुवार को कद्दू के अंदर छिपाकर रखी गई 3.5 करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त की, जिसके पड़ोसी देश म्यांमार से तस्करी कर लाए जाने का संदेह है। पुलिस ने कहा कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने जिरीबाम में फ्रिरजावल जिले के टिपाईमुख से दक्षिणी असम के कछार की ओर जा रहे एक पिकअप ट्रक को रोका और दो ड्रग तस्करों- अब्दुल मन्नान मजूमदार और खलील उल्ला बारभुइया को गिरफ्तार किया। 30 साबुन के डिब्बों में 363.45 ग्राम हेरोइन मिली, जो सब्जियों के साथ पिकअप ट्रक में लदे कद्दू में छिपाई गई थी।

इलाके में लगातार पकड़े जा रहे तस्कर

असम राइफल्स ने अपने बयान में बताया कि एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और ऐसा माना जा रहा है कि आरोपी इसे म्यांमार से तस्करी कर लाया था। बता दें इससे पहले भी आइजोल में 325.3 ग्राम हेरोइन जब्त की गई थी, जिसकी कीमत 2.27 करोड़ रुपए है। इसके साथ ही 3 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। असम राइफल्स ने बताया था कि 13 अप्रैल को एक अन्य अभियान में लॉन्गतलाई जिले के वासेकी थाना क्षेत्र के पारवा गांव में 20 गोली वाली एक मैगजीन जब्त की गई।

बिजली टॉवर और सड़कें भी टूटीं

जम्मू-कश्मीर के रामबन में जमीन धंसी, घरों में दरारें

एजेंसी ▶▶ रामबन

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिला मुख्यालय से 5 किमी दूर पेरनोट गांव में जमीनों के धंसने से इलाके में बड़ा खतरा हो गया है। जमीन धंसने से 50 से अधिक घरों पर इसका प्रभाव पड़ा है। चार बिजली टावर, एक रिसीविंग स्टेशन और एक मुख्य सड़क भी क्षतिग्रस्त हो गई। दो दिन पहले पेरनोट गांव में अचानक जमीन धंसने के बाद घरों में दरारें आने लगी थीं। सड़क संपर्क टूटने से कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को विवश होना पड़ा।

विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई

डिप्टी कमिश्नर चौधरी ने कहा कि अधिकारियों ने जमीन धंसने की वजह जानने के लिए भूविज्ञान विशेषज्ञों को बुलाया है। प्रभावित आबादी के पुनर्वास और आवश्यक सेवाओं की बहाली की निगरानी के लिए अधिकारियों की एक टीम भी तैनात की गई है।

कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष को परेशान कर रहे स्टूडेंट्स

आलोक राज बोले- बोनस नंबर देने के लिए फोन किया, मेरी कॉल रिकॉर्डिंग वायरल की

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की प्रक्रियाधीन भर्ती परीक्षाओं को अब स्टूडेंट्स ने बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज को फोन और मैसेज कर परेशान करना शुरू कर दिया है। इसके बाद अब आलोक राज ने परेशान करने वाले अभ्यर्थियों की शिकायत पुलिस में करने का फैसला किया है। आलोक राज ने कहा कि प्रदेशभर के हजारों स्टूडेंट्स की समस्याओं के समाधान के लिए मैं उनसे टेलिफोनिक भी बात करता हूं, लेकिन कुछ स्टूडेंट्स मेरी इस सहूलियत का गलत फायदा उठा रहे हैं। उनके द्वारा लगातार हजारों की संख्या में मुझे मैसेज और फोन कर परेशान किया जाता है। पिछले लंबे वक्त से मैं इस परेशानी को झेल रहा हूं। इसको लेकर अब मैंने पुलिस में शिकायत दर्ज करने का फैसला किया है।

आलोक राज ने बताया कि कल या परसों मुझे जेआरए (जूनियर रेवेन्यू अकाउंटेंट) के एक कैंडिडेट ने फोन किया और डिलीट क्रेश्चन के बोनस मार्क्स देने की मांग की। मैंने उसकी बात को सुना और उसे नियमों के तहत काम करने की बात कही। लेकिन कुछ देर बाद उसने मेरी कॉल रिकॉर्डिंग कुछ वॉट्सऐप और टेलीग्राम ग्रुप पर सार्वजनिक कर दी। इसके बाद से मुझे एक बार फिर मैसेज और फोन आने का सिलसिला शुरू हो गया, जबकि बिना मेरी इजाजत के मेरे कॉल को रिकॉर्ड करना कानूनन अपराध है। इसको लेकर अब मैं पुलिस में शिकायत करूंगा।

आलोक राज ने कहा कि सिर्फ मुझे ही नहीं बल्कि कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव को भी इस तरह के फोन कॉल्स और मैसेज आते हैं। कभी कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री का पीएस बनकर हमसे उलटी सीधी डिमांड करता है। तो कभी कोई व्यक्ति किसी मंत्री का रिश्तेदार बन हमें फोन कर दबाव बनाने की कोशिश करता है। हम किसी भी दबाव में काम नहीं करेंगे, बल्कि, जो भी काम नियमों के तहत होगा, कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा सिर्फ वही किया जाएगा।

मुख्यमंत्री और मंत्री के नाम पर भी धमकाया

इसके अलावा किसी व्यक्ति ने बोर्ड अध्यक्ष फोन किया और खुद का बड़े मंत्री का पीए बताया। उसने कहा कि मंत्रीजी चाहते हैं कि मोटर व्हीकल सब इंस्पेक्टर भर्ती को लेकर कोर्ट में जो मामला चल रहा है, उसकी एप्लिकेशन वापस मत लेना। इसी तरह से एक व्यक्ति ने बोर्ड के सचिव डॉ. बीसी बधाल को भी फोन किया और खुद को मुख्यमंत्री का पीएस बताया। जब इन दोनों व्यक्तियों की जानकारी जुटाई तो पता चला कि फोन करने वाले न तो सीएम का पीएस है और न ही किसी मंत्री का पीए है। इनके खिलाफ भी मामला दर्ज कराया जाएगा।

सचिन के कहने पर लेपर्ड सफारी करने जयपुर आए द्रविड़:

झालाना रिजर्व में पत्नी विजेता के साथ ढाई घंटे जंगल में घूमे

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड़ शनिवार सुबह जयपुर के झालाना लेपर्ड रिजर्व पहुंचे। यहां उन्होंने इंटरप्रिटेशन सेंटर देखने के साथ ही लेपर्ड सफारी का भी आनंद लिया। करीब ढाई घंटे की सफारी के दौरान द्रविड़ ने लेपर्ड राणा और फ्लोरा को देखा।

लेपर्ड सफारी कर राहुल द्रविड़ और उनकी पत्नी विजेता पेंढारकर रोमांचित नजर आए। सफारी के दौरान ट्रैक नंबर तीन पर राहुल द्रविड़ और उनकी पत्नी विजेता ने लेपर्ड राणा की फोटो अपने मोबाइल से क्लिक की।

वन विभाग के एसीएफ सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि राहुल द्रविड़ अपनी पत्नी के साथ शनिवार सुबह सफारी करने पहुंचे थे। सुबह 6 बजे उनकी सफारी की शुरुआत हुई, जो करीब ढाई घंटे तक चली। इस दौरान जयपुर के रिहायशी इलाकों के बीच बने लेपर्ड रिजर्व में इतनी बड़ी संख्या में लेपर्ड देख द्रविड़ और उनकी पत्नी विजेता अचंभित हो गए।

इस दौरान राहुल द्रविड़ ने बताया कि हमने देश के कई हिस्सों में टाइगर सफारी तो की है, लेकिन इस तरह की लेपर्ड सफारी पहली बार देखी है, जो काफी अनोखी और रोमांचित करने वाली है। द्रविड़ ने बताया कि मुझे लेपर्ड सफारी की जानकारी सचिन तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि से मिली थी। इसके बाद से ही मैं यहां आने को बेताब था। मैं भविष्य में फिर से लेपर्ड देखने झालाना रिजर्व जरूर आऊंगा।

झालाना के जंगल में 45 लेपर्ड मौजूद

2018 में शुरू की गई झालाना लेपर्ड सफारी देश-दुनिया के पर्यटकों का पसंदीदा केंद्र बन गई है। शुरुआती दिनों में झालाना में 20 लेपर्ड थे, लेकिन कुछ ही साल में इनकी संख्या बढ़कर 45 को पार कर गई है। ऐसे में शहर के बीचों-बीच बने झालाना के जंगलों में लेपर्ड का दीदार करने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटकों के साथ खास मेहमान भी पहुंचते हैं।

सेलिब्रिटीज का फेवरेट पॉइंट झालाना लेपर्ड सफारी

जयपुर का झालाना लेपर्ड सफारी दुनियाभर के पर्यटकों के साथ सेलिब्रिटी का पसंदीदा केंद्र बन चुका है। यही कारण है कि पिछले कुछ वक्त में झालाना में लेपर्ड का दीदार करने के लिए क्रिकेटर सचिन सचिन तेंदुलकर, बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त, रणदीप हुड्डा, मयूर मेहता, बलराज, राजीव खंडेलवाल, रितेश देशमुख, विशाल सिंह के साथ एक्ट्रेस रवीना टंडन, आकांक्षा सिंह, जेनेलिया डिसूजा, सृष्टि रोहण विजिट कर चुके हैं।

झालाना लेपर्ड रिजर्व की शान बना राणा

झालाना लेपर्ड सफारी में इन दिनों मेल लेपर्ड राणा पर्यटकों का पसंदीदा बन चुका है। अपने आक्रामक स्वभाव की वजह से मशहूर राणा झालाना के जंगलों में बेखौफ घूमते नजर आता है, जिसे देख पर्यटकों का रोमांच भी बढ़ जाता है। राणा से पहले कजोड़ काफी एक्टिव था और कजोड़ से पहले जूलियट और उससे पहले फीमेल लेपर्ड फ्लोरा सबसे ज्यादा दिखाई देती थी।

जयपुर में सहकर्मी ने किया युवती से रेप

विरोध करने पर किया शादी का वादा, धोखा देकर दूसरी लड़की से की शादी

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में एक सहकर्मी के युवती से रेप करने का मामला सामने आया है। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी ने शादी करने का वादा किया और 5 साल तक देहशोषण किया। इसके बाद धोखा देकर दूसरी लड़की से शादी कर ली। पीड़िता ने आरोपी सहकर्मी के खिलाफ जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसएचओ (जवाहर सर्किल) विनोद सांखला कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि आदर्श नगर निवासी 24 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने बताया- साल 2019 में वह एक कंपनी में जॉब करती थी। कंपनी में जॉब करने वाले कान सिंह ने बातचीत कर दोस्ती कर ली। एक दिन अकेले मिलने पर आरोपी कानसिंह ने उसके साथ जबरदस्ती की। जब उसने विरोध किया तो उसने शादी करने का वादा किया। पीड़िता ने बताया- आरोपी शादी करने का झांसा देकर 5 साल तक देहशोषण करता रहा। जब उसने शादी करने के लिए कहा तो टालमटोल करने लगा। पिछले दिनों आरोपी ने दूसरी लड़की से शादी कर ली। जब उसने दूसरी लड़की से शादी करने का विरोध किया तो जान से मारने की धमकी देने लगा। धोखे का एहसास होने पर पीड़िता ने जवाहर सर्किल थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

जयपुर में इंस्टाग्राम फ्रेंड ने किया युवती से रेप

खुशखबरी सुनाकर खिलाई नशीली मिठाई, अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में इंस्टाग्राम फ्रेंड के एक युवती से रेप करने का मामला सामने आया है। आरोपी इंस्टाग्राम फ्रेंड खुशखबरी सुनाने के बहाने घर आया और उसे नशीली मिठाई खिला दी। इसके बाद बेहोशी की हालत में रेप कर अश्लील वीडियो बना लिए। होश में आने पर उसे विरोध किया तो आरोपी ने शादी करने की बात कहकर चुप करवा दिया। इसके बाद ब्लैकमेल कर देहशोषण करने लगा। शादी का दबाव बनाने पर आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ सांगानेर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामले की जांच एसीपी (चाकसू) सुरेन्द्र सिंह कर रहे हैं। पुलिस ने बताया- सांगानेर सदर निवासी 20 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने बताया- इंस्टाग्राम के जरिए उसकी मुलाकात विष्णु से हुई थी। बातचीत के दौरान दोनों में दोस्ती हो गई और कुछ समय बाद आरोपी ने शादी करने का ऑफर रखा। घरवालों से सहमति मिलने पर ही उसने शादी करने की बात कही। पीड़िता ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2023 में आरोपी विष्णु ने कॉल कर खुशखबरी सुनाई कि उसके घरवाले शादी के लिए मान गए हैं और मिलने के बहाने घर आकर उसे मिठाई खिलाई। मिठाई में नशीला पदार्थ मिला होने के कारण वह बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपी ने बेहोशी की हालत में उसके साथ रेप किया और अश्लील वीडियो बना लिए। पीड़िता ने बताया- होश आने पर उसने विरोध किया तो आरोपी ने जल्दी शादी करने की बात कहकर कहकर चुप करवा दिया। इसके बाद अश्लील वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और उसका देहशोषण करने लगा। कुछ समय बाद उसने शादी करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने मना कर दिया और अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी दी। धोखे का एहसास होने पर पीड़िता ने सांगानेर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

जयपुर के सांभर में अब हवा से बनेगा शुद्ध पानी

दिनभर में तैयार होगा 165 लीटर पेयजल;12वीं की स्टूडेंट ने लगवाई 11 लाख की मशीन

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। देश-दुनिया में नमक के प्रोडक्शन के लिए पहचान रखने वाले राजस्थान के सांभर में अब हवा से शुद्ध पानी तैयार होगा। यहां ऐसी सोलर मशीन लगाई गई है, जो हवा में मौजूद पानी को लिक्विड रूप में निकालेगी। यह मशीन पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित होगी और 1 दिन में 165 लीटर शुद्ध पीने योग्य पानी तैयार करेगी। जयपुर से करीब 70 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सांभर कस्बे में जमीन का पानी खारा है, जिसके कारण पीने के पानी किल्लत है। सरकार की पेयजल योजनाओं से भी यहां काफी कम मात्रा में पानी सप्लाई होता है। ऐसे में यहां के लोगों को दूषित पानी पीना पड़ता है। यहां पेयजल किल्लत की समस्या को दूर करने के लिए जयपुर की बेटी प्रांजल शर्मा (16) ने आकाशगंगा वाटर फॉर लाइफ प्रोजेक्ट शुरू किया। 12वीं क्लास की स्टूडेंट प्रांजल ने अपने स्कूल फ्रेंड्स, टीचर्स और फैमिली फ्रेंड से फंडिंग लेने के साथ ही अपनी सेविंग के 5 लाख रुपए इस प्रोजेक्ट में डोनेट किए। इसके बाद अब सांभर में 11 लाख रुपए की लागत का सोलर एटमॉसफेरिक वाटर जनरेटर लगाया है। इस मशीन से सांभर के 3 गांव में रहने वाले सैकड़ों लोगों को हर दिन पीने का शुद्ध पानी उपलब्ध हो सकेगा।

दूषित पानी से हुई थी कई पक्षियों की मौत

प्रांजल ने बताया- करीब 2 साल पहले सांभर में दूषित पानी की वजह से हजारों पक्षियों की मौत हुई थी। रोजाना हजारों पक्षियों की मौत की खबरें देखी तो मैंने मौके पर जाकर हकीकत जानने की कोशिश की। यहां पहुंचने पर मुझे पता चला कि इन पक्षियों की मौत का कारण दूषित पानी है। सांभर में दूषित पानी के कारण पक्षियों की ही नहीं कई छोटे बच्चों की भी मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में लोग बहरापन-अंधापन जैसी गंभीर बीमारियों के शिकार हो चुके हैं। पेयजल को लेकर मैंने लोगों से पूछा तो पता चला कि यहां सरकार की पेयजल योजनाओं से काफी कम मात्रा में पानी सप्लाई हो पाता है। पेयजल समस्या के समाधान के लिए सरकार काफी प्रयास कर चुकी है, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया। आरओ (ऋह) में भी बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ जाता है। टैंकरों से पानी मंगवाना महंगा पड़ता है, ऐसे में दूषित जल पीने को मजबूर हैं।

रिसर्च में मिली चेन्नई की कंपनी की जानकारी

प्रांजल शर्मा ने बताया- हकीकत जानने के बाद मैंने सांभर में पेयजल समस्या का स्थायी समाधान ढूंढने के लिए रिसर्च शुरू की। कुछ महीनों बाद मुझे पता चला कि चेन्नई में एक ऐसी कंपनी है, जो हवा से पानी बनाने की मशीन तैयार करती है। इस तकनीक को वायुमंडलीय जल उत्पादन यानी एटमॉसफेरिक वाटर जनरेटर कहा जाता है। इसके बाद मैंने कंपनी के प्रतिनिधियों से बात कर सांभर की पेयजल समस्या के बारे में बताया। इसके बाद कंपनी के प्रतिनिधियों ने सांभर के हालात का जायजा लिया। उन्होंने सांभर की मौजूदा स्थिति को देखते हुए सोलर वाटर जनरेटर बनाने का फैसला किया। इसे पूरी तरह इंस्टॉल करने में 10 लाख रुपए से ज्यादा की लागत आ रही थी, लेकिन तब मेरे पास इतने रुपए नहीं थे।

अपनी बचत के 5 लाख रुपए प्रोजेक्ट में किए डोनेट

प्रांजल शर्मा ने बताया- फिर मैंने सांभर की पेयजल समस्या के लिए आकाशगंगा वाटर फॉर लाइफ प्रोजेक्ट शुरू किया। इसके तहत मैंने अपने स्कूल फ्रेंड्स, टीचर्स और फैमिली फ्रेंड से फंडिंग ली, लेकिन इसके बाद भी 10 लाख रुपए इकट्ठे नहीं हुए। तब मैंने अपनी सेविंग के 5 लाख रुपए इस प्रोजेक्ट में डोनेट किए।

जयपुर में घर में मिला सब इंस्पेक्टर का शव

पिछले 2 दिनों से तबीयत थी खराब, नौकरानी को बाथरूम में गिरे दिखे

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में खुद के घर में ही शुक्रवार रात एक सब इंस्पेक्टर का शव मिला। मकान अंदर से लॉक था। नौकरानी ने खिड़की से झांक कर देखा तो सब इंस्पेक्टर बाथ रूम में न्यूड हालत में गिरे दिखाई दिए। सूचना मिलने पर कालवाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भिजवाया।

एसएचओ (कालवाड़) महावीर यादव ने बताया- राजस्थान पुलिस में सब इंस्पेक्टर धर्मेंद्र यादव (50) की उनके ही घर में लाश मिली है। वह सुशांत सिटी में पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे। स्क्वॉ धर्मेंद्र यादव पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा में तैनात थे। पिछले दो दिनों से उनकी तबीयत खराब थी। उनकी पत्नी और बच्चे घर में शादी होने के कारण बीकानेर गए हुए थे। उल्टी-दस्त की शिकायत पर गुरुवार को ही डॉक्टर घर आकर ट्रीटमेंट देकर गए थे।

नौकरानी को बाथ रूम में गिरे दिखे

शुक्रवार सुबह घर पर खाना बनाने के लिए नौकरानी आई। डोर बेल बजाने के बाद भी स्क्वॉ धर्मेंद्र यादव ने गेट नहीं खोला। कुछ देर रुकने के बाद नौकरानी दूसरी जगह अपने काम पर चली गई। रात करीब 7:30 बजे खाना बनाने के लिए नौकरानी दोबारा घर आई। काफी देर तक डोर बेल बजाने और आवाज लगाने के बाद भी धर्मेंद्र ने गेट नहीं खोला। इस पर नौकरानी ने खिड़की से अंदर झांक कर देखा तो धर्मेंद्र बाथ रूम की जमीन पर गिरे दिखाई दिए।

न्यूड हालत में पड़ा था शव

अनहोनी की आशंका के चलते नौकरानी ने शोर मचाकर पड़ोसियों को इकट्ठा किया। लोगों की सूचना पर कालवाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और धक्का मारकर गेट खोल कर अंदर पहुंची। बाथ रूम में धर्मेंद्र का शव न्यूड हालत में पड़ा हुआ मिला। पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर सबूत जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए कांवटिया हॉस्पिटल भिजवाया।

मेहमानों को छोड़कर आया तो शोर सुनाई दिया-करंट लगा, करंट लगा

पिता बोले- शादी के बाद कश्मीर जाने वाला था बेटा, 11 लाख में होटल किया था बुक

राजस्थान की राजनीति

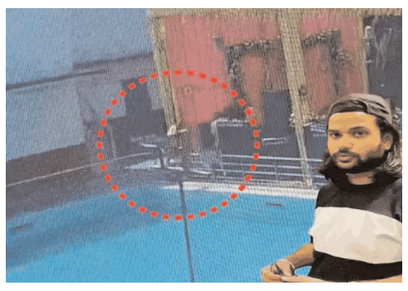

कोटा। कोटा में हल्दी की रस्म के दौरान करंट लगने से दूल्हे की मौत के बाद परिवार सदमे में है। उनका कहना है कि हादसे के जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। भास्कर से बात करते हुए युवक के पिता ने कहा- हमने तो बच्चे खोया है, हम चाहते हैं कि आगे किसी और परिवार के साथ ऐसी घटना न हो। जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि उन्हें पता चले कि जान की क्या कीमत होती है? वहां और भी लोग करंट की चपेट में आ सकते थे। आपको बता दे कि कोटा के केशवपुरा इलाके के निवासी सूरज सक्सेना (29) पुत्र विजयकांत सक्सेना की 24 अप्रैल को शादी थी। बूंदी रोड स्थित मेनाल रेजीडेंसी होटल में शादी की रस्में चल रही थी। दोपहर के समय हल्दी की रस्म के बाद होटल के स्विमिंग पूल के पास सूरज की करंट लगने से मौत हो गई थी। मामले में परिवार ने नांता थाने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। भास्कर से बात करते हुए सूरज के पिता ने प्रशासन से दोषियों पर जल्द कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा अपने बेटे, उसकी शादी और सूरज की कई बातें साझा की।

11 लाख में होटल किया था बुक

पिता ने कहा- लड़की वाले बिहार के रहने वाले है। दोनों परिवारों ने मिलकर दो दिन के लिए करीब 11 लाख में होटल बुक किया था। इसमें खाने, डेकोरेशन,इवेंट,बिजली का खर्चा अलग था। शादी के बाद सूरज को परिवार सहित बिहार के छपरा जाना था। उसने मेरी, अपनी मां की और होने वाली पत्नी की ट्रेन की टिकट बुक करवा रखी थी। एक मई को वहां रिसेप्शन का कार्यक्रम था।

पिता बोले- हमें गुड़गांव साथ रखना चाहता था

ससुराल में कार्यक्रम के बाद सूरज कश्मीर में हनीमून पर जाने वाला था। सूरज ने इसकी भी तैयारी कर रखी थी। फ्लाइट के टिकट,होटल,गाड़ी सभी बुक कर रखे थे। इतना ही नहीं शादी से कुछ दिन पहले सूरज ने गुड़गांव में 4 BHK का फ्लैट किराए पर लिया था। मम्मी-पापा को भी साथ ही रखना चाहता था। सब खत्म हो गया।

हादसे वाले दिन की आपबीती बताई

हादसे वाले दिन के बारे में बताया- 23 अप्रैल को होटल में स्विमिंग पूल के साइड पर हल्दी का प्रोग्राम चल रहा था। कार्यक्रम खत्म होने के बाद बच्चे फोटोग्राफी कर रहे थे। बैकग्राउंड में स्विमिंग पूल था। बच्चों ने सोचा अच्छी फोटो आएगी इसलिए वहां फोटो खिंचवाने जा रहे थे। वहां दोनों तरफ कूलर लगे हुए थे। साइड में स्विमिंग पूल की रेलिंग थी। दोपहर 2 बजे करीब की बात होगी, मैं गेस्ट को डाइनिंग हॉल तक छोड़ने गया। वापस लौटते समय मुझे शोर सुनाई दिया- %करंट लग गया, करंट लग गया।% मैं दौड़कर गया, देखा तो बेटा सूरज नीचे गिरा हुआ था। पास में ही तार खुले हुए पड़े हुए थे। सूरज का पैर खुले तार पर लग गया। उसने संभलने के लिए वहां लगा लोहे का पोल पकड़ लिया और वो करंट से छूट नहीं सका, नीचे गिर गया। मौके पर मौजूद रिश्तेदार और दोस्तों ने जैसे-तैसे छुड़ाया। इस जद्दोजहद में तीन-चार अन्य के करंट का झटका लगा। वहां खुले हुए तारों की वजह से यह हादसा हुआ।

मैंने सूरज का हाथ पकड़ा, करंट से स्टेज के पास जा गिरा

हादसे से ठीक पहले सूरज के जीजा बकुल सक्सेना भी साथ थे। बकुल अभी तक हादसे को भुला नहीं पा रहे, घटना को याद करते ही आंख में आंसू आ जाते है। बकुल ने बताया कि जैसे ही हल्दी का प्रोग्राम खत्म हुआ। हम सभी सूरज के साथ फोटोग्राफी के लिए स्विमिंग पूल साइड की तरफ जाने लगे। मैं सूरज के पीछे चल रहा था। वहां वायर खुले हुए थे। हम बात करते करते आगे बढ़ रहे थे। उसी दौरान सूरज का पैर खुले पड़े वायर पर पड़ा। जैसे ही सूरज के करंट लगा मैं दौड़कर उसके पास गया। मैंने जैसे ही उसका हाथ पकड़ा, तो मुझे जोर से करंट का झटका लगा, मैं दूर स्टेज के पास जाकर गिरा।कुछ समझ नहीं आया। इतना भयंकर शॉक होगा। मैंने और मेरे साथ वालों ने दोबारा कोशिश की लेकिन उसको नहीं बचा पाए।

होटल मैनेजमेंट की रही लापरवाही

उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी लापरवाही होटल मैनेजमेंट और इलेक्ट्रिसिटी का काम करने वालों की थी। वहां तार खुले छोड़ रखे थे। तार में टैपिंग नहीं की गई। अगर व्यवस्थित रूप से तारों की टैपिंग की गई होती, एमसीबी लगी होती तो शायद यह हादसा नहीं होता। वहां कोई अटेंडेंट भी नहीं था, न ही कोई इलेक्ट्रीशियन था। हम लोगों को भी पता नहीं था कौन सा वायर कहां से आ रहा है। अगर कोई जिम्मेदार अटेंडेंट होता तो वह स्विच ऑफ कर देता, या तुरंत कनेक्शन को हटा देता। होटल मैनेजमेंट की पूरी तरीके से लापरवाही है। हमने बच्चा खोया है, हम चाहते हैं कि आगे किसी और परिवार के साथ ऐसी घटना न हो। जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए,ताकि उनको महसूस हो जान की क्या कीमत है। वहां और भी लोग करंट की चपेट में आ सकते थे। शादी को लेकर परिवार के सभी लोग खुश थे। हमने अच्छा से अच्छा होटल किया। जिसमें सबसे ज्यादा सुविधाएं थी। पर ये पता नहीं था कि अंदर ही अंदर इतनी असावधानियां थी।

जयपुर में हॉस्पिटल पार्किंग से बाइक चोरी

बदमाशों ने मास्टर चाबी से तोड़ा लॉक, 15 सेकेंड में स्टार्ट कर ले गए बाइक

राजस्थान की राजनीति

जयपुर। जयपुर में एक हॉस्पिटल पार्किंग से बाइक चोरी का मामला सामने आया है। बदमाशों ने मास्टर चाबी से लॉक तोड़कर बाइक स्टार्ट की और महज 15 सेकेंड में चुराकर ले गए। हॉस्पिटल की पार्किंग में लगे सीसीटीवी फुटेज में बाइक चोरों की करतूत कैद हो गई। महेश नगर थाना पुलिस फुटेज के आधार पर बाइक चोरों की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि सुमेर नगर मानसरोवर निवासी पृथ्वीराज (28) ने बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वह सुबह करीब 11 बजे अपने जीजा को गुर्जर की थड़ी स्थित हॉस्पिटल में डॉक्टर के पास लेकर आया था। हॉस्पिटल की पार्किंग में बाइक खड़ी कर जीजा के साथ अंदर चला गया। कुछ देर बाद डॉक्टर को दिखाकर वापस आने पर पार्किंग में खड़ी बाइक गायब मिली। पीड़ित ने बताया- हॉस्पिटल पार्किंग में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर बाइक चोरी का पता चला। फुटेज में दो बदमाश घूमकर रेकी करते दिखाई दे रहे हैं। जो कुछ देर बाद मास्टर चाबी से लॉक तोड़कर महज 15 सेकेंड में बाइक को स्टार्ट कर चोरी कर ले गए। महेश नगर थाने में पीड़ित बाइक ऑनर ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामला दर्ज करवाया।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक एवं संपादक रमाकांत गोस्वामी द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, पीपलेश्वर मंदिर के पीछे, नला मौहल्ला,दौसा (राजस्थान)-303303 से प्रकाशित किया। संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, कार्यकारी संपादक भूपेंद्र कुमार शर्मा, स्थानीय संपादक: संजय लाटा (अवैतनिक) आरएनआई नं. RAJHIN/2012/43137, ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल- tniawaz.news@gmail.com, Group of Sites- www.hpnews.in, www.right2action.in, www.jaipurtak.com, www.dharmjagran.com, www.hindustanpatrika.com, www.freedomathought.com, www.tniawaaz.in (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।